DIGITAL
# स्वर्ण खबर
लोकल से ग्लोबल तक...सत्यनैव: धर्म:
FOLLOW US
वर्ष :13 । अंक:295 । पृष्ठ : 08 । swarnkhabar@gmail.com
|| टोंक, (शनिवार) 09 मई 2026 ||
प्रधान संपादक : राजाराम गौत्तम (9462549799)

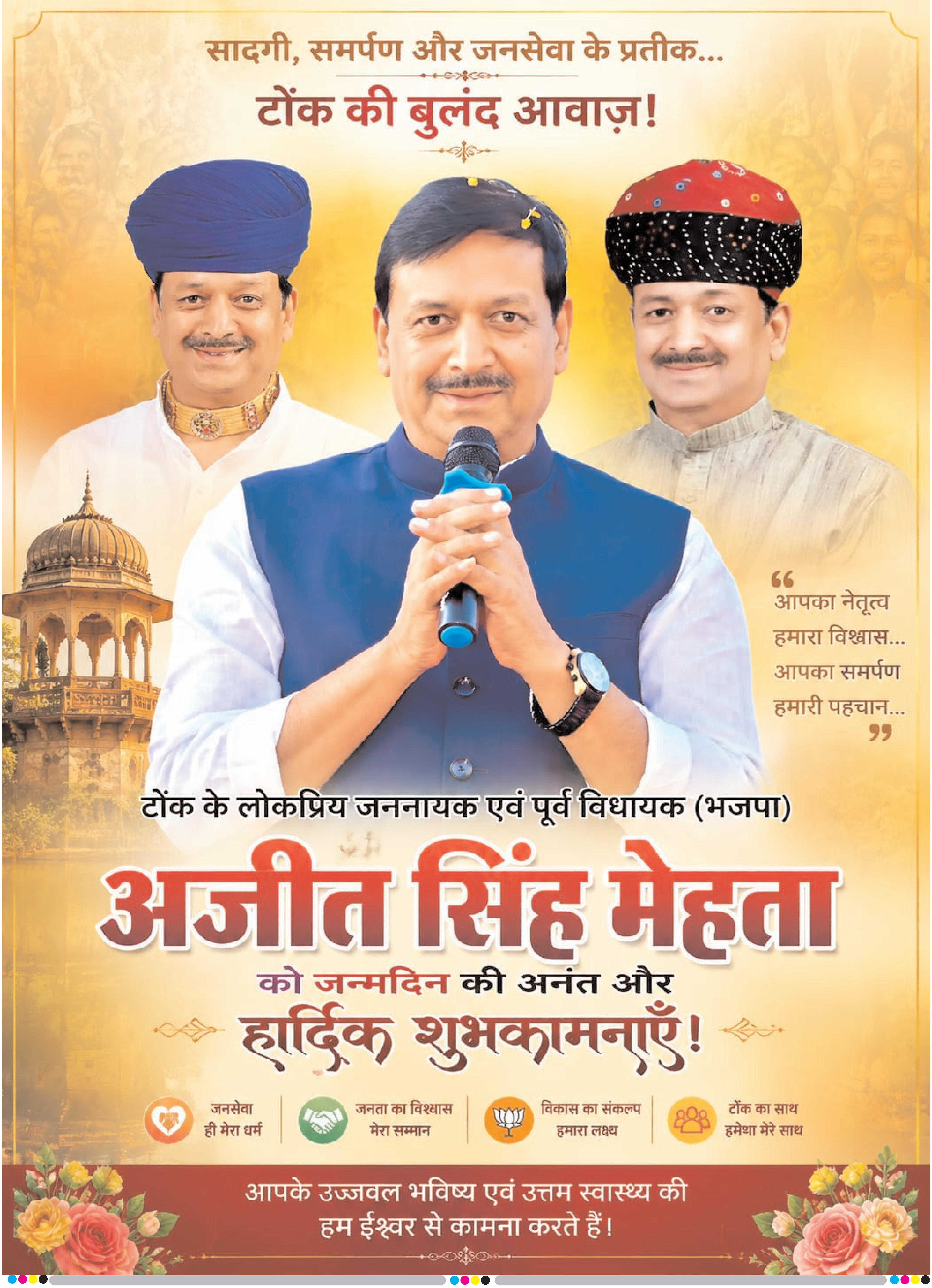
सादगी, समर्पण और जनसेवा के प्रतीक...
टोंक की बुलंद आवाज़!
आपका नेतृत्व हमारा विश्वास... आपका समर्पण हमारी पहचान...
टोंक के लोकप्रिय जननायक एवं पूर्व विधायक (भजपा)
अजीत सिंह मेहता
को जन्मदिन की अनंत और
हार्दिक शुभकामनाएँ!
जनसेवा ही मेरा धर्म
जनता का विश्वास मेरा सम्मान
विकास का संकल्प हमारा लक्ष्य
टोंक का साथ हमेशा मेरे साथ
आपके उज्जवल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की हम ईश्वर से कामना करते हैं!

# शराब माफियाओं पर DST की 'सर्जिकल स्ट्राइक'

## दूनी थाना क्षेत्र में NH-52 पर देर रात हुई छापामार कार्रवाई; बोलेरो कार और दुकान में छिपाकर रखा था शराब का बड़ा जखीरा, पुलिस ने किया काले कारोबार का भंडाफोड़

स्वर्ण खबर डेस्क

**टोंक।** जिले में अवैध शराब और मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम कसने के लिए पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। जिला स्पेशल टीम (ष्ठस्ज्ञ) ने दूनी थाना क्षेत्र में एक सटीक और त्वरित कार्रवाई को अंजाम देते हुए अवैध शराब के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस की टीम ने मौके से दो शातिर तस्करों को दबोचा है और उनके पास से लाखों रुपये की अवैध शराब के साथ-साथ भारी मात्रा में नकद राशि बरामद की है। पुलिस की इस दबिश से इलाके के शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

### ऐसे बिछाया तस्करों के खिलाफ जाल

जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने इस सफल ऑपरेशन की जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) पुष्पेन्द्र सिंह सोलंकी के कड़े निर्देशन और देवली डीएसपी हेमराज के सुपरविजन में गुरुवार देर रात की गई। टीम को मुखबिर के जरिए अवैध शराब की बड़ी खेप के परिवहन और भंडारण की पुख्ता सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दूनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे 52 पर संथली के पास घेराबंदी की और एक संदिग्ध दुकान व वाहन पर अचानक छापा मारा।

### दुकान और बोलेरो से मिला शराब का जखीरा

छापामार कार्रवाई के दौरान जब पुलिस ने एक संदिग्ध बोलेरो कार की तलाशी ली, तो उसमें से 15 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। इसके बाद जब टीम ने बोलेरो चालक की दुकान की सघन तलाशी ली, तो वहां से भी 30 पेटी अंग्रेजी और देशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके से कुल 45 पेटी अवैध शराब जब्त की है, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत लगभग पांच लाख रुपये बताई जा रही है।

### 5.24 लाख कैश और तस्करी का वाहन जब्त

पुलिस की कार्रवाई में न केवल शराब पकड़ी गई है, बल्कि आरोपियों के कब्जे से शराब की खरीद-फरोख्त से कमाए गए 5 लाख 24 हजार 400 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने मौके से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही बोलेरो कार, नकदी और शराब की पूरी खेप को तुरंत जब्त कर लिया।

### दो आरोपी गिरफ्तार, पूरे नेटवर्क की जांच शुरू

इस बड़ी कार्रवाई में पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को डिटेन किया। पकड़े गए तस्करों की पहचान सुरेश (34) पुत्र देवकरण गुर्जर (निवासी संथली) और सांवरलाल (30) पुत्र गोवर्धन गुर्जर (निवासी बेनपा, पुलिस थाना दूनी) के रूप में हुई है।

जिला स्पेशल टीम ने दोनों आरोपियों और जब्त किए गए माल को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए दूनी थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। दूनी पुलिस ने आरोपियों को विधिवत रूप से गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अब पुलिस इस बात की गहनता से जांच कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में अवैध शराब कहाँ से लाई गई थी और इस तस्करी के सिंडिकेट में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

## लांबा पंचायत की 110 बीघा जमीन अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग, गोशाला संचालन में आ रही भारी दिक्कत

स्वर्ण खबर डेस्क

**टोंक।** चारागाह भूमि पर हो रहे अवैध अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर शुक्रवार को लांबा ग्राम पंचायत के ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर टीना डाबी के नाम एडीएम रामरतन सौकरिया को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ग्रामीणों ने करीब 15 मिनट तक नारेबाजी कर प्रशासन से कार्रवाई की मांग उठाई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत मुख्यालय पर करीब 120 बीघा चारागाह भूमि दर्ज है, लेकिन गांव के दबंग लोगों ने लगभग 110 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है। केवल 10 बीघा जमीन ही खाली बची है, जिससे गोशाला का संचालन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीण अवधेश शर्मा और कैलाश शर्मा ने बताया कि गोशाला में करीब 150 गाय और 150 नंदी मौजूद हैं। पर्याप्त चारागाह नहीं होने से पशुओं के चारे और रखरखाव में गंभीर परेशानी आ रही है। पिछले छह महीनों से ग्रामीण लगातार प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वहीं एडीएम रामरतन सौकरिया ने ज्ञापन लेकर मामले में नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

## चारागाह भूमि पर कब्जे को लेकर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

स्वर्ण खबर डेस्क

**टोंक।** शहर के वार्ड नंबर 22 स्थित तारण गांव में शुक्रवार को बड़ा हादसा होते-होते टल गया। स्कूली बच्चों से भरी एक बस सड़क पर बने गहरे और कीचड़ में फंस गई। बस एक तरफ झुक गई, जिससे उसके पलटने जैसे हालात बन गए। बस में करीब 40 बच्चे सवार थे। घटना के दौरान बच्चों में चीख-पुकार मच गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

स्थिति बिगड़ती देख बस चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत वाहन को नियंत्रित कर रोक दिया। इसके बाद बच्चों को एक-एक कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। बाद में दूसरे वाहन की व्यवस्था कर बच्चों को स्कूल भेजा गया। चालक की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया।

घटना के बाद ग्रामीणों में नगर परिषद और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी देखने को मिली। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर लंबे समय से पानी भरा रहता है और जगह-जगह गहरे बने हुए हैं। बारिश और गंदे पानी के कारण सड़क पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो चुकी है। आए दिन बाइक सवार गिरते हैं और छोटे-बड़े वाहन फंस जाते हैं।

ग्रामीण राजेश यादव ने बताया कि नालियों का निर्माण नहीं होने से वर्षों से पानी जमा रहता है, लेकिन प्रशासन समस्या की अनदेखी कर रहा है। वहीं छात्र हर्षल यादव ने कहा कि रोजाना स्कूली बच्चों को जान जोखिम में डालकर इस रास्ते से गुजरना पड़ता है।

स्थानीय लोगों ने जिला कलेक्टर टीना डाबी से जल्द स्थायी समाधान की मांग की है।

## घाड़ पहाड़ों पर वन विभाग की मिलीभगत से दिन-दहाड़े अवैध पत्थर खनन ऐतिहासिक विरासत खतरे में

स्वर्ण खबर डेस्क

**नगरफोर्ट।** तहसील क्षेत्र नगरफोर्ट की अरावली पर्वतमाला से जुड़े घाड़ क्षेत्र के पहाड़ों पर वन विभाग की मिली भगत से दिन-दहाड़े अवैध पत्थर खनन और परिवहन का खेल धड़ल्ले से जारी है। प्रशासन और वन विभाग की कथित चुप्पी के बीच घाड़ की ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार घाड़ स्थित वनरक्षक चौकी पर अक्सर ताला लगा रहता है। यह चौकी अब केवल कागजों में सिमट कर रह गई है और कथित तौर पर शराबियों का अड्डा बन चुकी है। पुलिस थाना भी पहाड़ से मात्र एक किलोमीटर दूर है, फिर भी खनन माफियाओं में कानून का कोई डर नहीं दिख रहा।

पहाड़ की चोटी पर स्थित ऐतिहासिक मनार पीर बाबा स्थान व दरगाह भी अवैध खनन की चपेट में आ गया है। माफिया दरगाह के दोनों ओर से बेतरतीब तरीके से पत्थर निकाल रहे हैं। यदि यही स्थिति बनी रही, तो पहाड़ के दरकने का खतरा बढ़ जाएगा, जिससे इस प्राचीन धरोहर का अस्तित्व समाप्त हो सकता है।

हाल ही में ककोड़ में आयोजित एक सभा में टोंक जिला कलेक्टर टीना डाबी की मौजूदगी में देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ने भी वन विभाग की कथित मिलीभगत पर सवाल उठाए थे। विधायक ने सार्वजनिक रूप से विभाग पर अवैध खनन को संरक्षण देने का आरोप लगाया था।

ग्रामीणों ने बताया कि इस गंभीर मुद्दे को लेकर कई बार लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं। हालांकि, शिकायतों के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस अवैध खनन पर रोक लगाई जाए और लापरवाही बरतने वाले वन विभाग के कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर और पर्यावरण को बचाया जा सके।

## राजस्व विभाग ने पुलिस जाप्ता की मौजूदगी में सार्वजनिक रास्ते का अतिक्रमण हटाया

स्वर्ण खबर डेस्क

**नगरफोर्ट।** तहसील नगरफोर्ट क्षेत्र के भोजपुरा गांव में राजस्व विभाग ने पुलिस जाप्ता की मौजूदगी में सार्वजनिक रास्ते का अतिक्रमण हटवा दिया है। इस संबंध में भोजपुरा के एक ग्रामीण द्वारा राजस्थान संपर्क व जनसुनवाई में शिकायत पेश की गई थी। तहसील मुख्यालय नगरफोर्ट के तहसीलदार रामधन मीणा ने बताया है कि भोजपुरा के माधो लाल जाट द्वारा गांव के सार्वजनिक रास्ते पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अतिक्रमण करने की शिकायत राजस्थान संपर्क व जनसुनवाई कार्यक्रम में दर्ज करवाई गई थी। इसके बाद तहसील नगरफोर्ट राजस्व विभाग टीम ने नगरफोर्ट पुलिस थाना के जाप्ता के साथ भोजपुरा गांव के खसरा नंबर 154 पर सार्वजनिक रास्ते पर किए गए अतिक्रमण को जेसीबी मशीन की सहायता से हटवा दिया है। जेसीबी मशीन ग्राम पंचायत फुलेता द्वारा उपलब्ध करवाई गई थी। इस दौरान तहसीलदार नगरफोर्ट रामधन मीणा व पुलिस थाना नगरफोर्ट के थाना अधिकारी बाबूलाल सहित राजस्व विभाग के कर्मचारी पुलिस जाप्ता व ग्राम पंचायत की प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

## दूनी-नगरफोर्ट मार्ग की टूटी पुलिया बनी खतरा मानसून से पहले मरम्मत नहीं होने पर सड़क बहने और बड़े हादसे की आशंका

स्वर्ण खबर डेस्क

**दूनी।** दूनी-नगरफोर्ट मार्ग (34 ए) पर घाड़ पेट्रोल पंप के पास पिछले साल बारिश में टूटी पुलिया की अब तक मरम्मत नहीं होने से ग्रामीणों में रोष है। मानसून नजदीक आने के साथ ही हादसे और मार्ग अवरुद्ध होने का खतरा बढ़ गया है। यह सड़क हाईवे की लिंक रोड होने से यहां दिन-रात भारी वाहनों की आवाजाही रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले साल बारिश में सड़क और पुलिया बह गई थी, लेकिन सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) ने एक साल बाद भी स्थायी समाधान नहीं किया। सुरक्षा के नाम पर पुलिया के पास केवल झाड़ियां लगा दी गई हैं, जिससे रास्ता संकरा हो गया है। ऐसे में दो वाहन आमने-सामने आने पर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। क्षेत्रवासियों ने विभाग और ठेकेदार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि पुरानी छोटी पुलिया के किनारे पाइप डालकर सड़क बना दी गई, जबकि पानी निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई। ग्रामीण यहां बड़ी पुलिया निर्माण की मांग कर रहे हैं ताकि बरसात में पानी का बहाव सुचारु रह सके। PWD के कनिष्ठ अभियंता भीम सिंह गुर्जर ने बताया कि ठेकेदार फिलहाल गैरोली-मुगलाना रोड पर कार्य कर रहे हैं। वहां का काम पूरा होते ही करीब 15 दिन में इस पुलिया का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। हालांकि मानसून से पहले काम पूरा होगा या नहीं, इसे लेकर लोगों में चिंता बनी हुई है।

स्वर्ण खबर
जनहित में सूचना
अपील: अपने क्षेत्र की समस्याओं को "स्वर्ण खबर" में लगवाएं!
1 कटी-फटी सड़कें
2 पीने के पानी की समस्या
3 जलभराव और सीवरेज
4 कचरा और गंदगी
'आपकी हर समस्या अब बनेगी खबर.'
हमे बताएं : समस्या की जानकारी / फोटो / वीडियो हमें भेजें.
समस्या की जानकारी/ फोटो / वीडियो हमें भेजें.
9462549799
राजाराम गौतम | प्रधान संपादक (स्वर्ण खबर)
"लोकल से ग्लोबल तक"
स्वर्ण खबर

## जनहित कार्यों के लिए हमेशा तैयार हूं : डॉ. अविनाश गहलोत सांगानेरी रुमाल भेंट कर फाउंडेशन टीम ने की शिष्टाचार भेंट

स्वर्ण खबर डेस्क

**जयपुर।** स्थित सिविल लाइंस राजकीय निवास पर शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री डॉ. अविनाश गहलोत से अविनाश गहलोत फाउंडेशन टोंक की टीम ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान टीम ने मंत्री को पारंपरिक सांगानेरी रुमाल भेंट कर सम्मान जताया तथा जनहित से जुड़े आगामी कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की। मुलाकात के दौरान डॉ. गहलोत ने कहा कि समाज और राष्ट्रहित के कार्यों में फाउंडेशन को हमेशा सक्रिय रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वे हर जनहित कार्य में सहयोग के लिए सदैव तैयार हैं। मंत्री ने युवाओं और सामाजिक संगठनों से सकारात्मक सोच के साथ समाज सेवा में आगे आने का आह्वान भी किया। फाउंडेशन की ओर से टोंक जिला प्रभारी कमलेश सैनी उर्फ ठाकर सोलंकी ने क्षेत्र में चल रहे सामाजिक अभियानों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन शिक्षा, जरूरतमंदों की सहायता और सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर लगातार कार्य कर रहा है। इस अवसर पर फाउंडेशन सदस्य देवेन्द्र सैनी, राजू बाजरिया, सोनू सैनी और सीताराम जिणवाल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुलाकात सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।

## सड़क हादसे ने छीनी घर की खुशियां: निवाई से गांव लौट रहे 27 वर्षीय युवक की जयपुर में इलाज के दौरान मौत

स्वर्ण खबर डेस्क

**निवाई।** निवाई-डिग्गी सड़क मार्ग पर गुरुवार को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने 27 वर्षीय मयूर शर्मा की जान ले ली। इस घटना के बाद मृतक के गांव प्यावड़ी और ससुराल पक्ष में कोहराम मच गया है।

### बाइक से गांव लौटते समय हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार, प्यावड़ी (पीपलू) निवासी मयूर शर्मा (27) पुत्र विजेंद्र शर्मा गुरुवार को निवाई से अपने गांव की ओर जा रहे थे। रास्ते में गुड्डा आनंदपुरा गांव के पास चिलरिया भेरुजी (गुड्डा भेरुजी) के समीप उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में मयूर के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं, जिससे वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े।

### निवाई से जयपुर तक संघर्ष, लेकिन नहीं बच सकी जान

?हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने मानवता दिखाते हुए घायल युवक को तुरंत निवाई के राजकीय अस्पताल पहुँचाया। प्राथमिक उपचार के बाद मयूर की चिंताजनक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया। जयपुर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में देर रात तक इलाज चला, लेकिन घावों की गंभीरता के चलते मयूर ने दम तोड़ दिया। पत्रकार भागचंद शर्मा ने भारी मन से बताया कि मृतक मयूर शर्मा उनके दामाद थे। मयूर अपने पीछे पत्नी हेमलता शर्मा और 5 वर्षीय मासूम बेटे कुणाल को छोड़ गए हैं। 27 साल की अल्पायु में हुई इस मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

## टोंक में 'ग्राम रथ' का शंखनाद: गाँवों में पहुँच रही सरकार, एलईडी वैन और लोक कलाकार बन रहे विकास की आवाज

### मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप जिले की 4 विधानसभाओं में योजनाओं का महा-अभियान; पक्के आवास से लेकर 'आत्मा' पुरस्कार तक, लाभार्थियों के चेहरे पर खिली मुस्कान

स्वर्ण खबर डेस्क

**टोंक।** राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए टोंक जिले में 'ग्राम रथ अभियान' एक नई क्रांति लेकर आया है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप आयोजित यह अभियान ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रहा है, जहाँ गाँव-गाँव में एलईडी वैन और लोक कलाकारों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

### तकनीक और कला का अनूठा संगम

जिले की चारों विधानसभाओं में यह रथ गाँवों के मुख्य चौराहों पर पहुँच रहे हैं। अत्याधुनिक एलईडी वैन के जरिए ऑडियो-विजुअल संदेशों और कला जत्था के लोक कलाकारों द्वारा रोचक तरीके से ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं से रूबरू कराया जा रहा है। अभियान की सबसे बड़ी विशेषता 'संध्या चौपाल' है, जहाँ प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर ही सुन रहे हैं।

### पक्के आवास ने बदली जिंदगियों की तस्वीर

प्रधानमंत्री आवास योजना इस अभियान के दौरान चर्चा का मुख्य केंद्र रही है?

**मुकेश खटीक (प्यावडी):** पक्के आवास का लाभ मिलने के बाद अब उन्हें बारिश के दिनों में मुश्किल भरी रातें नहीं गुजारनी पड़तीं।

**सीता देवी व राधा देवी (लोहरवाड़ा):** पक्का घर मिलने से उनकी वर्षों की परेशानी दूर हो गई है।

**नर्मदा देवी (डारडा तुर्की):** अब वे अपने परिवार के साथ प्रसन्नतापूर्वक पक्के घर में रह रही हैं और सरकार का आभार जता रही हैं।

### खेती में 'नवाचार' से किसान गिर्राज की आय हुई दोगुनी

पीपलू के सिसोला निवासी किसान गिर्राज मीना की कहानी इस अभियान की एक बड़ी उपलब्धि है। पिछले 5 वर्षों से वे केवल पपीते की खेती कर रहे थे, लेकिन आय कम थी।

**कृषि पर्यवेक्षक की सलाह:** उन्हें बागवानी के साथ बहुउद्देशीय कृषि अपनाने को प्रेरित किया गया।

**सफलता का मंत्र:** पपीते के पेड़ों के बीच खाली जगह पर मौसमी सब्जियाँ उगाना शुरू किया, जिससे उनकी आय दोगुनी हो गई।

**पुरस्कार:** इस नवाचार के लिए उन्हें 'आत्मा योजना' के तहत 10 हजार रुपये की पुरस्कार राशि भी मिली।

### पशुपालकों के लिए 'मंगला' योजना बनी ढाल

पशुपालन प्रधान जिले में 'मंगला पशु बीमा योजना' ग्रामीणों के लिए आर्थिक संबल साबित हो रही है।

**महावीर कुमावत (गैरोली) एवं भोजराम गुर्जर (सिंदोलिया):** इन्होंने बताया कि योजना के तहत बीमार पशुओं का निःशुल्क इलाज संभव हुआ।

**बीमा क्लेम:** पशुपालक भोजराम को भेड़ की मृत्यु होने पर 4 हजार रुपये का बीमा क्लेम प्राप्त हुआ, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान से राहत मिली।

DIGITAL
# स्वर्ण खबर
लोकल से ग्लोबल तक...सत्यनैव: धर्म:
वर्ष :13 । अंक:295। पृष्ठ : 08 । swarnkhabar@gmail.com
|| टोंक, (शनिवार) 09 मई 2026 ||
प्रधान संपादक : राजाराम गौत्तम (9462549799)

# सुवेंदु बंगाल के सीएम होंगे

## राज्यपाल से मिले: सरकार बनाने का दावा पेश किया

### आज शपथ लेंगे

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए सीएम होंगे। कोलकाता में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक के बाद अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया। इसके बाद सुवेंदु लोकभवन में राज्यपाल से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया। सुवेंदु आप सुबह 11 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, शाह समेत NDA के कई बड़े नेता शामिल होंगे।

- **शाह बोले- महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी**

उधर शाह ने विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ममता जी के शासन में अपराधी राजनेता बन गए तो विकास की गुंजाइश ही नहीं रही। हम घुसपैठ, हिंसा, कट मनी खत्म करेंगे। महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी होगी।

*शाह ने सुवेंदु को माला पहनाई, गले लगाया*

### शाह के संबोधन की बड़ी बातें

370 हटी तो देश भर में कार्यकर्ताओं में खुशी थी। लेकिन कई कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी एक कसक बची है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना है। वो भी आज पूरा हो गया। हमारे विधायकों के जीत का औसत मार्जिन 28 हजार है। 3 से 77 और 77 से 207 की यात्रा अभूतपूर्व है। 9 जिलों में टीएमसी का खाता तक नहीं खुला। भाजपा का वादा है कि बंगाल की जनता को कि न सिर्फ बंगाल, पूरे देश से हम एक-एक घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे। ये ध्रुवीकरण का मुद्दा नहीं है। ये देश की सुरक्षा का मुद्दा है। भाजपा पर भरोसा करके बंगाल की जनता को प्रचंड विजयी देने के लिए धन्यवाद। बंगाल की जनता ने जो अपेक्षाएं रखी हैं, हम पूरी कोशिश करेंगे कि आपके भरोसे को थोड़ा भी ठेस न पहुंचे।

# टीवीके प्रमुख विजय आज 11 बजे लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** तमिलनाडु में सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय शुक्रवार को तीसरी बार लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल से मिले। विजय द्वारा समर्थन पत्र सौंपने के बाद राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। सूत्रों के अनुसार, यह मुलाकात संक्षिप्त रही। कल सुबह 11 बजे विजय मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

**बहुमत के लिए जुटाया समर्थन, कांग्रेस और वाम दलों का साथ**

कांग्रेस और वामपंथी दलों से समर्थन मिलने के बाद विजय ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। वामपंथी दलों द्वारा बिना शर्त समर्थन देने के कुछ घंटों बाद विजय तीसरी बार राजभवन पहुंचे, उन्होंने सरकार बनाने के जरूरी आंकड़े का समर्थन पत्र सौंपा। टीवीके ने चुनाव में कुल 108 सीटें जीतकर मजबूत प्रदर्शन किया है। पार्टी प्रमुख विजय खुद दो सीटों से विजयी हुए हैं, जिसके चलते उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। राज्य में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 118 सीटों का है। ऐसे में विजय को सरकार गठन के लिए अभी और विधायकों के समर्थन की जरूरत है।

वर्तमान स्थिति के अनुसार, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (CPI), वीसीके और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (CPI-M) के पास 2-2 विधायक हैं। वहीं कांग्रेस के 5 विधायकों का समर्थन टीवीके को पहले से मिला हुआ है। इन सभी को जोड़ने के बाद भी विजय के पास कुल 118 विधायकों का समर्थन बनता है। माकपा ने आधिकारिक पत्र जारी कर TVK सरकार को समर्थन देने की घोषणा की, जबकि CPI ने 'स्थिर, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक शासन' के नाम पर सशर्त समर्थन दिया। इसके अलावा, कांग्रेस पार्टी ने भी अपने पांच विधायकों का समर्थन विजय को दिया है। इन सभी के समर्थन के बाद टीवीके और उसके सहयोगी विधायकों की कुल संख्या 118 हो जाती है। यह संख्या बहुमत के आंकड़े के करीब है। चुनाव में टीवीके 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, टीवीके के संस्थापक विजय को उन दो विधानसभा सीटों में से एक से इस्तीफा देना होगा, जिन पर उन्होंने जीत दर्ज की है। विजय ने चेन्नई की पेरांबूर और तिरुचिरापल्ली ईस्ट सीट से चुनाव जीता है।

### गवर्नर ने दिया सरकार बनाने का न्योता

### तमिलनाडु में सरकार में बनाने के लिए भाजपा नहीं देगी टीवीके को समर्थन: नैनार नागेंद्रन

**एजेंसी**

**चेन्नई ।** तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में इस बार किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है, हालांकि अभिनेता से राजनेता बने सी. जोसेफ विजय की तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) ने सबसे अधिक 108 सीटें जीत कर सरकार बनाने का दावा किया है। इसी बीच भाजपा ने अपनी हार को स्वीकार करते हुए अगली सरकार में हिस्सा न बनने की घोषणा की है। तमिलनाडु भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने शुक्रवार को आधिकारिक बयान जारी कर किसी को समर्थन न देने की बात कही। नैनार नागेंद्रन ने कहा, 'भाजपा तमिलनाडु की जनता के कल्याण और प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है और उसने चुनाव प्रक्रिया में भी पूरे उत्साह के साथ भाग लिया था। चुनाव परिणामों को हमारी पार्टी ने सहर्ष स्वीकार किया है और हमारा मानना ??है कि तमिलनाडु की जनता ने भाजपा को सरकार बनाने का कोई जनादेश नहीं दिया है।' भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, 'हम तमिलनाडु की जनता की इच्छा और जनादेश का सम्मान करते हैं ।

# मोदी पहली बार करेंगे टिहरी का दौरा

## 1000 मेगावाट परियोजना का करेंगे लोकार्पण

**एजेंसी**

**टिहरी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहली बार उत्तराखंड के टिहरी जिले के दौरे पर पहुंच सकते हैं। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मई के अंतिम सप्ताह अथवा जून के प्रथम सप्ताह में प्रधानमंत्री टिहरी पहुंचकर देश की महत्वपूर्ण 1000 मेगावाट क्षमता वाली टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना का लोकार्पण करेंगे। इस संभावित दौरे को लेकर शासन और प्रशासन स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री का यह दौरा राजनीतिक से अधिक विकास और ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों पर केंद्रित रहेगा। टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना को देश की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा परियोजनाओं में माना जा रहा है। यह परियोजना बिजली उत्पादन के साथ-साथ ऊर्जा भंडारण और राष्ट्रीय ग्रिड संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विशेषज्ञ इसे भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिहाज से 'गेमचेंजर' मान रहे हैं। इसके अलावा श्री मोदी इस दौरान टिहरी मेडिकल कॉलेज की आधारशिला भी रख सकते हैं तथा क्षेत्र के विकास से जुड़ी कई अन्य योजनाओं की घोषणाएं होने की भी संभावना है। इससे टिहरी सहित आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के नए अवसर विकसित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

# एक सशक्त भारत वही है, जहां आपदा में जीवन की रक्षा सुनिश्चित हो: राजनाथ सिंह

## युद्ध में बढत और दुश्मन से आगे रहने के लिए 'आश्चर्य का तत्व ' विकसित करें कमांडर: राजनाथ

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** एक सशक्त भारत वही है, जहां सीमाएं सुरक्षित हों, समुदाय आत्मविश्वासी हों और आपदा के समय हर जीवन की रक्षा सुनिश्चित हो। यह बात शुक्रवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि आज जब हम समस्त भारत के सशक्तिकरण और सुरक्षा की बात करते हैं, तो यह केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं रह जाती, बल्कि यह हमारे समाज, हमारे पर्यावरण और हमारे नागरिकों की सुरक्षा से भी जुड़ जाती है। तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू टीम पर्वतीय और हिमस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य को अंजाम देती है। टीम भारतीय सेना के साथ मिलकर दुर्गम इलाकों में राहत, बचाव और प्रशिक्षण का कार्य भी करती है। तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू की समर्पित सेवा के 10 वर्ष पूरे होने पर नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में उनकी एक फोटो प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। इसका शीर्षक 'राष्ट्र की निशब्द सेवा का एक दशक' था। प्रदर्शनी में देश के दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू के अभियान से जुड़ी प्रभावशाली तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। इन तस्वीरों में संगठन के स्वयंसेवकों के साहस, धैर्य और उनके प्रयासों से प्रभावित लोगों के जीवन की झलक दिखाई गई।

राजनाथ सिंह ने यहां टीम के सदस्यों को संबोधित किया। रक्षा मंत्री का कहना था कि हमें यह समझना होगा कि हिमालय की सुरक्षा और हिमालय में मानव जीवन की सुरक्षा, दोनों एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। यदि हमारे सीमावर्ती क्षेत्र सुरक्षित, समृद्ध और आत्मविश्वासी होंगे, तभी हमारी सीमाएं भी सुदृढ़ होंगी। इसलिए तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू जैसे संस्थानों का कार्य केवल बचाव तक सीमित नहीं है।

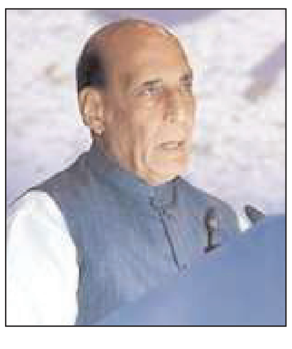

> 'हिमालय जैसे दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्र में, तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू केवल रेस्क्यू ऑपरेशन तक सीमित नहीं है। बल्कि यह टीम हमारी सेनाओं का सपोर्ट, स्थानीय समुदायों का विश्वास और राष्ट्रीय दृढ़ता का मजबूत स्तंभ भी है।'

# दिल्ली-एनसीआर में बढ़ेगा पारा

## कई राज्यों में ओलावृष्टि की चेतावनी

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर के क्षेत्रों में शुक्रवार को आसमान साफ रहा। यहां का अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे मौसम में कल के मुकाबले आज हल्की गर्मी रही। वहीं, देश के अन्य हिस्सों जैसे मध्य प्रदेश और झारखंड में ओलावृष्टि, जबकि गुजरात में लू चलने का अनुमान है। भारतीय मौसम विभाग केन्द्र के अनुसार शनिवार को भी मौसम साफ रहने के आसार हैं। यहां का अधिकतम तापमान 35-37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा का रूख भी दक्षिण-पूर्व दिशा से उत्तर पूर्व दिशा की ओर 10-15 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने की संभावना है। रविवार को भी यही स्थिति रहेगी और अधिकतम तापमान 37-39 जबति न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। इसके अलावा, राजधानी में 11 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की वर्षा होने का अनुमान है। इस दौरान, शाम से हवाओं की गति 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक रहने के आसार हैं। हवा की रफ्तार 50 किमी तक जा सकती है। अधिकतम तापमान 37-39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26-28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना हैवहीं, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 8 मई और झारखंड में 8-9 मई को मध्य प्रदेश में 08 मई को वर्षा के साथ ओलावृष्टि होने का अनुमान है। कर्नाटक के कुछ क्षेत्रों में 8-9 मई, लक्षद्वीप में 9-10 मई को भारी वर्षा होने के आसार हैं। गुजरात में 9-14 मई तक लू चल सकती है।

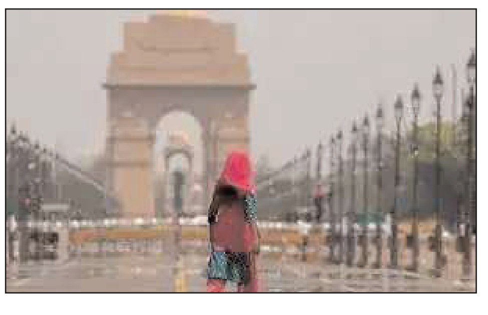

# तेलंगाना के वारंगल में 800 साल पुराने काकतीय मंदिर को ध्वस्त करने पर मामला दर्ज

**एजेंसी**

**हैदराबाद।** तेलंगाना के वारंगल जिले में एक यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल के निर्माण के लिए 800 साल पुराने काकतीय कालीन शिव मंदिर को बुलडोजर से ढहा दिया गया, जिससे आक्रोश और कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। खानपुर मंडल के अशोक नगर में हुई इस घटना पर राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (एनएचए) में शिकायत के बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और पुरातत्व विभाग ने मामला दर्ज कर लिया है। वकील इम्मनेनी रामा राव ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि काकतीय शासक गणपति देव (1199-1262 ईस्वी) के शासनकाल के इस शिव मंदिर को खानापुर मंडल में 'यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल' के निर्माण के लिए भारी मशीनों से नष्ट कर दिया गया।

शिकायत में कहा गया कि अधिकारियों ने 'तेलंगाना हेरिटेज एक्ट' के तहत अनिवार्य 'विरासत संरक्षण समिति' का गठन नहीं किया। कार्यकर्ताओं का तर्क है कि मंदिर को ध्वस्त करने के बजाय उसे किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता था। रिपोर्टों के अनुसार मंदिर के गर्भगृह को खोदा गया था, जिससे यह संदेह पैदा हो गया है कि ठेकेदार ने नीचे दबे कथित खजाने की तलाश में इसे नष्ट किया होगा। हालांकि जिला प्रशासन ने इन आरोपों का खंडन किय। वारंगल जिला कलेक्टर कार्यालय के अनुसार छह मई को किए गए संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि जमीन पर भारी झाड़ियां और पेड़ उगे हुए थे। प्रशासन का दावा है कि 30 एकड़ भूमि पर घनी वनस्पतियों की सफाई के दौरान केवल एक पुरानी जीर्ण-शीर्ण संरचना के अवशेष मिले थे। ठेकेदार ने किसी भी निर्माण को जानबूझकर नहीं तोड़ा। पुरातत्व विभाग ने पुष्टि की है कि यह संरचना 'संरक्षित स्मारकों' की आधिकारिक सूची में शामिल नहीं थी। वारंगल कलेक्टर डॉ. सत्य शारदा और नरसंपेट विधायक दोंथी माधव रेड्डी ने स्थल का दौरा किया और जनता को आश्वासन दिया कि मंदिर का उसी स्थान पर पुनर्निर्माण किया जाएगा।

## सद्भावना यात्रा: राहुल गांधी का केंद्र पर हमला, बोले-

# युवाओं को रोजगार नहीं, सोशल मीडिया का नशा दिया जा रहा

**एजेंसी**

**कोलकाता ।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज गुरुग्राम के दौरे पर हैं। राहुल गांधी सद्भावना यात्रा में शामिल हुए हैं। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी एक जनसभा को भी संबोधित किया। राहुल गांधी ने गुरुग्राम में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ साल पहले उन्होंने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, जिसमें लाखों लोग शामिल हुए थे। उस दौरान 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान' का नारा जनता के बीच से निकला था। राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ कांग्रेस का नहीं, बल्कि देश की भावना का नारा है और आज भी देश को इसकी जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ियां की जाती हैं। राहुल गांधी ने कहा कि लाखों वोटरों के नाम काटे जाते हैं और लाखों नाम जोड़े जाते हैं। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जनता अब सब समझ चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की संपत्तियां कुछ बड़े उद्योगपतियों को सौंपी जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का धन छीनकर उद्योगपति गौतम अदानी और अंबानी को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा और पूरे देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को कॉलेजों से डिग्रियां तो मिल रही हैं, लेकिन रोजगार नहीं मिल रहा। उनके मुताबिक सरकार की नीतियों के कारण देश में चीन का सामान बिक रहा है और युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन्हें सोशल मीडिया और इंस्टाग्राम में उलझाया जा रहा है।

- **हरियाणा और पूरे देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। --- राहुल गांधी**

# हरियाणा के राज्यपाल ने राष्ट्रपति से की शिष्टाचार भेंट

**एजेंसी**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने आज अपनी धर्मपत्नी मित्रा घोष के साथ नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने राष्ट्रपति के साथ हरियाणा के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। बातचीत के दौरान महिला सशक्तिकरण, समावेशी विकास, शिक्षा, सामाजिक कल्याण तथा समाज के सभी वर्गों में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित पहलों को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दिया गया। प्रो. असीम कुमार घोष ने राष्ट्रपति को हरियाणा में संचालित विभिन्न विकासात्मक पहलों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी भी दी। उन्होंने राज्य की प्रगति और जनहित के प्रति राष्ट्रपति द्वारा निरंतर दिए जा रहे मार्गदर्शन, प्रोत्साहन एवं सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

## केदारनाथ धाम में दर्शनार्थियों की संख्या चार लाख पार

**केदारनाथ।** केदारनाथ धाम यात्रा 2026 को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन के लिए धाम पहुंच रहे हैं। यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल 4,01,748 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं जिला प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, 8 मई 2026 को सायं 5 बजे तक एक ही दिन में 19,466 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ धाम में दर्शन किए। लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए प्रशासन यात्रा व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने में जुटा है। जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा ने बताया कि यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के दृष्टिगत यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, यातायात, पार्किंग तथा आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाएं लगातार सुदृढ़ की गई हैं। जिला प्रशासन की ओर से यात्रा मार्ग और धाम क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है।

## बुलंदशहर में हाईवे किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी बाइक

# पति -पत्नी व तीन बच्चों समेत 5 की मौत

**एजेंसी**

**बुलंदशहर।** उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में शुक्रवार को एनएच-34 पर हुए एक हादसे में ट्रक से टकरा कर बाइक सवार माता- पिता और तीन बच्चों व सहित कुल पांच लोगों की मौत हो गयी। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हादसे का शिकार हुआ परिवार वैष्णो देवी धाम के दर्शन कर लौटा था और रिश्तेदार के घर रुकने के बाद आज अपने गांव लौट रहा था। जानकारी के अनुसार बुलंदशहर में खुर्जा की तरफ से उत्तम सिंह बाइक से पत्नी और तीन बच्चों के साथ बुलंदशहर नगर के धमेड़ा अड्डा की तरफ अपने घर आ रहे थे। देहात कोतवाली में एनएच-34 पर भंसौली कट के पास बाइक सड़क के किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही पांचों की मौत हो गई। मृतकों में उत्तम, उनकी पत्नी उर्मिला, बेटा निशांत, बेटी दिशा और मासूम अनायरा शामिल हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही एसएसपी बुलंदशहर, एसपी सिटी, सीओ और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू की । प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हादसे का शिकार हुए कोतवाली नगर क्षेत्र के गांव धानेरा कीरत निवासी 38 वर्षीय उत्तम पुत्र महिपाल सिंह अपनी पत्नी उर्मिला और तीन बच्चों के साथ वैष्णो देवी दर्शन कर वापस आये थे और खुर्जा में अपने एक रिश्तेदार के यहां रुके थे। शुक्रवार को सभी लोग बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान कोतवाली देहात क्षेत्र के भासौली मोड़ के पास यह हादसा हो गया। मौके पर पहुंचे एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया घटना दुर्भाग्यपूर्ण घटित हुई है । इस हादसे में उत्तम सिंह व उनकी पत्नी उर्मिला व तीन बच्चों की मौत हुई है।

# पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से 'अपवाद' नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं।

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' के रूप में देख रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में 'बंगाली अस्मिता' और 'हिंदू पहचान' के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। 'वंदे मातरम्' का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुगार्पूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।

बिजेपि
জাই বিজেপি
সরকার

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि 'सांस्कृतिक सुरक्षा' स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान 'जय श्रीराम' जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल 'हिंदी बनाम बंगाली' के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिये पर पहुँच गया। भाजपा ने इस खाली स्थान को भरते हुए स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। बंगाल की राजनीति में भाजपा का उभार कहीं न कहीं उसी विचारधारा की पुनर्स्थापना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बंगाल अब केवल क्षेत्रीय राजनीति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह पुनः राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व करेगा। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या इन चुनाव परिणामों को 'हिंदू पुनर्जागरण' कहा जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह सरल नहीं है, किंतु इतना स्पष्ट है कि हिंदू समाज के भीतर अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर एक नई जागरूकता अवश्य उत्पन्न हुई है। यह जागरूकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक अभिव्यक्ति का भी रूप ले रही है। हालांकि किसी भी लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक चेतना सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित रहे। यदि पहचान की राजनीति संवाद और समावेशिता के बजाय टकराव का रूप लेती है, तो वह लोकतंत्र के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बंगाल के इस परिवर्तन को केवल विजय उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और आत्ममंथन के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से 'अपवाद' नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं। यदि भाजपा वास्तव में बंगाल में एक नए युग की शुरूआत करना चाहती है, तो उसे केवल वैचारिक नारों तक सीमित नहीं रहना होगा। उसे रोजगार, उद्योग, शिक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर ठोस कार्य करना होगा। बंगाल की धरती ने हमेशा भारत को विचार, साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रवाद की नई दिशा दी है। आज फिर इतिहास एक नए मोड़ पर खड़ा है। आने वाला समय तय करेगा कि यह परिवर्तन केवल राजनीतिक लहर साबित होगा या वास्तव में बंगाल के सांस्कृतिक और वैचारिक पुनर्जागरण का आधार बनेगा।

## संपादकीय

### हिंसा अस्वीकार्य

छिटपुट हिंसा की घटनाओं के बावजूद पश्चिम बंगाल में कमोबेश शांतिपूर्ण मतदान हुआ था। लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हो रही हिंसा की घटनाएं परेशान करने वाली हैं। भाजपा व टीएमसी के कुछ समर्थकों में हिंसक झड़पों के अलावा राज्य में पार्टी के अगु?वा रहे सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या चौंकाने वाली है। इससे दोनों दलों के बीच तनाव बढ़ा है। राज्य में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार सुवेंदु अधिकारी का दावा है कि रथ की हत्या उनके करीबी होने के कारण की गई है। वहीं चंद्रनाथ के परिजनों का आरोप है कि यह हत्या ममता बनर्जी की भवानीपुर में अधिकारी से हुई हार का बदला लेने के लिये की गई है। उल्लेखनीय है कि इस दौरान कुछ भाजपा व टीएमसी कार्यकताओं की भी हत्या की गई है। दरअसल, पंद्रह साल से सत्ता में काबिज रही टीएमसी पर भाजपा की बड़ी जीत ने दोनों पार्टियों के बीच तनाव को बढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय चुनाव आयोग पर हमलावर होते हुए ममता बनर्जी ने केवल चुनाव परिणामों को ही खारिज नहीं किया, बल्कि मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने तक से मना कर दिया। उनकी इस घोषणा ने लंबे समय से जारी टकराव को बढ़ाने का काम ही किया। इस घटनाक्रम से टीएमसी कार्यकताओं को आक्रामक होने का मौका मिला। निश्चय ही यह स्थिति राज्य के हित में नहीं कही जा सकती। राज्य में कानून व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किए जाने की जरूरत है। कायदे में चुनाव परिणाम सामने आने के बाद ममता को सदाशयता का परिचय देते हुए कार्यकताओं से शांत रहने की अपील राज्य हित में करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा को भी अपने कार्यकताओं को शांत रहने के लिये प्रेरित करना चाहिए। उन्हें चुनाव परिणाम सामने आने के बाद हिंसा से परहेज करना चाहिए। यही लोकतंत्र की प्रतिष्ठा भी है। यह विडंबना ही है कि चुनाव आयोग द्वारा राज्य के अधिकारियों को विजय जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने के बाद भी दोनों दलों के कार्यकताओं के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। ऐसी स्थिति में राज्य पुलिस को हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस दिखाते हुए, केंद्रीय बलों के साथ कानून व्यवस्था बहाल करने के लिये मिलकर काम करना चाहिए। यूं तो पूरे राज्य में ही, अन्यथा खासकर संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ायी जानी चाहिए। हिंसक वारदातों व तोड़फोड़ में शामिल लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल से संबद्धता की परवाह किए बिना उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना वक्त की जरूरत है। भाजपा व टीएमसी को अपने कार्यकताओं से संयम बरतने को कहना चाहिए। वास्तव में अतीत में हिंसा का लंबा इतिहास रखने वाले पश्चिम बंगाल को अब नये सिरे से शुरूआत करके विकास के पथ पर लौटना चाहिए। यह निर्विवाद सत्य है कि किसी भी हिंसा की कीमत आखिर आम जनता को ही चुकानी पड़ती है। यदि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो पाते हैं कि राज्य की राजनीति में अपराध जगत से जुड़े व दबंग किस्म के लोग दखल देते रहे हैं। कभी वे राजनीतिक दलों के लिए बूथ लूटने का काम किया करते थे। एक समय वामपंथी सरकार में दखल रखने वाले ये लोग कालांतर तृणमूल कांग्रेस के लिये काम करने लगे थे।

## चिंतन-मनन

### दौलत की चाह

संत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग बेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। वह खाने-पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय घूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक बड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने-माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे।

उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा-क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा-मेरे पास तो इससे कई गुना धन-संपत्ति और है। सेठ ने पूछा-क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते हैं? सेठ ने कहा- हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी।

जुनैद ने कहा- तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन-संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ही दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिसके पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं है। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए। उन्होंने जुनैद से वादा किया कि वह अब और दौलत के पीछे नहीं भागेंगे

# क्या राज्यपाल संवैधानिक मयार्दा से ऊपर हैं?

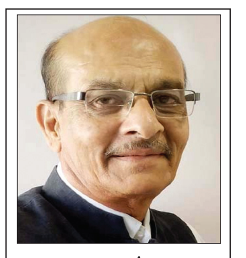
सनत जैन

तमिलनाडु में चुनाव परिणाम आने के बाद उत्पन्न राजनीतिक स्थिति ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र में राज्यपाल की भूमिका को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। पहली बार चुनाव मैदान में उतरी अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी ने 108 सीटें जीतकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। इसके साथ ही सरकार बनाने का दावा विजय राज्यपाल के सम्मुख कर चुके हैं। कांग्रेस के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई। बहुमत के लिए 118 विधायकों की आवश्यकता है। इसके बावजूद राज्यपाल द्वारा सरकार गठन के लिए आमंत्रित न करना केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि संवैधानिक परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। भारतीय संविधान में राज्यपाल को एक संवैधानिक प्रमुख माना गया है, न कि राजनीतिक निर्णायक। संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यही है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की इच्छा सर्वोपरि होगी। जब किसी दल को स्पष्ट बहुमत न मिले, तब सबसे बड़े दल या गठबंधन को सरकार बनाने का अवसर देना एक स्थापित संवैधानिक परंपरा बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कई ऐतिहासिक फैसलों में यह स्पष्ट किया है कि बहुमत का परीक्षण विधानसभा के भीतर होना चाहिए, राजभवन में नहीं। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा और उत्तराखंड जैसे मामलों में न्यायपालिका ने बार-बार यही सिद्धांत दोहराया है।

वर्तमान में तमिलनाडु का मामला इसलिए अधिक गंभीर माना जा रहा है क्योंकि चुनाव नतीजों के मुताबिक दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली अन्य पार्टियों ने सरकार बनाने का दावा ही प्रस्तुत नहीं किया है। ऐसी स्थिति में सबसे बड़े दल को शपथ ग्रहण का अवसर न देना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से बाधित करने जैसा प्रतीत होता है। राज्यपाल यदि यह कहें कि पहले पूर्ण बहुमत साबित करें, तभी शपथ दिलाई जाएगी, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि फिर विधानसभा में बहुमत परीक्षण की परंपरा का महत्व क्या रह जाएगा? पिछले कुछ वर्षों में देश के कई राज्यों में राज्यपाल और निर्वाचित सरकारों के बीच टकराव बढ़ा है। विपक्ष शासित राज्यों में विधेयकों को महीनों और कभी-कभी वर्षों तक लंबित रखना, सरकारों के प्रशासनिक निर्णयों में हस्तक्षेप तथा राजनीतिक बयानबाजी ने इस पद की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। संविधान निमार्ताओं ने राज्यपाल पद की कल्पना केंद्र और राज्य के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए की थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह पद कई बार राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनता दिखाई देता है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यदि संवैधानिक पदों पर बैठे लोग न्यायालयों द्वारा स्थापित सिद्धांतों की भी अनदेखी करने लगें, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कमजोर होने लगता है। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने से नहीं चलता; वह संवैधानिक मयार्दा, संस्थागत निष्पक्षता और स्थापित परंपराओं के सम्मान पर टिकता है। यदि निर्वाचित सरकारों के गठन में भी व्यक्तिगत विवेक या राजनीतिक झुकाव हावी होने लगे, तो यह संघीय ढांचे के लिए खतरे का संकेत होगा। ऐसे समय में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट को यह स्पष्ट करना होगा कि राज्यपाल का विवेक सीमित है और वह संविधान से ऊपर नहीं हो सकता। लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के जनादेश की होती है। उस जनादेश का सम्मान करना ही संविधान की वास्तविक आत्मा है।

# संजय राउत ने डोनाल्ड ट्रंप को पत्र में जो कुछ लिखा है उससे विपक्षी नेताओं की देशभक्ति पर सवाल उठ गया है

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं की प्रतिक्रियाएं अब केवल राजनीतिक असहमति तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि वह भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक व्यवस्था पर सीधे सवाल खड़े करती दिखाई दे रही हैं। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखना और ममता बनर्जी द्वारा अंतरराष्ट्रीय अदालत जाने की चेतावनी देना इसी प्रवृत्ति का ताजा उदाहरण है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश के आंतरिक मामलों को विदेशी शक्तियों और वैश्विक मंचों तक ले जाना लोकतंत्र की रक्षा है या फिर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास?

हम आपको बता दें कि शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे अपने पत्र में पश्चिम बंगाल चुनावों को भय, दबाव और कथित धांधली से प्रभावित बताया। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और केंद्रीय बलों की तैनाती को लेकर भी आरोप लगाए। हैरानी की बात यह है कि यह सब उस समय कहा जा रहा है जब भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे विश्वसनीय और विशाल चुनावी संस्थाओं में गिना जाता है। यदि किसी दल को चुनाव परिणाम स्वीकार नहीं हैं, तो उसके लिए न्यायपालिका, जन आंदोलन और संवैधानिक प्रक्रियाएं मौजूद हैं। फिर विदेशी राष्ट्रपति को पत्र लिखने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

क्या भारत इतना कमजोर लोकतंत्र है कि यहां के चुनावों का फैसला विदेशी नेताओं की राय से तय होगा? क्या विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर उसे भरोसा नहीं है? यदि हर हार के बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जाकर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कठघरे में खड़ा किया जाएगा, तो इससे दुनिया में भारत की छवि पर क्या असर पड़ेगा?

इस पूरे विवाद में ममता बनर्जी का बयान भी कम गंभीर नहीं है। चुनाव हारने के बाद उनका यह कहना कि वह अंतरराष्ट्रीय अदालत तक जाएंगी, कई सवाल खड़े करता है। क्या किसी राज्य के चुनावी परिणाम को लेकर संयुक्त राष्ट्र की न्यायिक संस्था में जाने की बात करना भारत की संप्रभुता पर प्रश्नचिह्न लगाने जैसा नहीं है? जब देश का संविधान, सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग मौजूद हैं, तब विदेशी अदालतों की चर्चा क्यों? दरअसल यह वही राजनीति है जिसमें जब तक सत्ता हाथ में रहे तब तक संस्थाएं निष्पक्ष लगती हैं, लेकिन हार मिलते ही चुनाव आयोग, सुरक्षा बल, न्यायपालिका और लोकतंत्र सब कटघरे में खड़े कर दिए जाते हैं। यह प्रवृत्ति केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को कमजोर करने का प्रयास भी मानी जा सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्षी दल अपनी राजनीतिक हार को स्वीकार करने का साहस खो चुके हैं? क्या लोकतंत्र केवल तब तक सही है जब तक परिणाम उनके पक्ष में आएं? यदि हर चुनाव के बाद विदेशी शक्तियों से हस्तक्षेप की मांग की जाएगी, तो क्या यह देश की आंतरिक संप्रभुता के खिलाफ कदम नहीं माना जाएगा?

भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां सत्ता परिवर्तन चुनावों के माध्यम से होता है, अदालतें स्वतंत्र हैं और मीडिया पूरी तरह सक्रिय है। ऐसे में विदेशी नेताओं और अंतरराष्ट्रीय मंचों को भारत के घरेलू राजनीतिक विवादों में घसीटना न केवल राजनीतिक अपरिपक्वता दशार्ता है, बल्कि यह देश की गरिमा को भी ठेस पहुंचाता है।

राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन देश की छवि और संस्थाओं की विश्वसनीयता से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। देखा जाये तो लोकतंत्र में हार और जीत दोनों को स्वीकार करना ही सबसे बड़ी लोकतांत्रिक मयार्दा होती है। लेकिन संजय राउत जैसे लोग जोकि खुद करोड़ों के घोटाले के आरोप से जुड़े हैं और जेल काट चुके हैं, वह भारत के लोकतंत्र की शुचिता और जनमत की ईमानदारी पर सवाल उठा रहे हैं। यहां एक सवाल यह भी उठता है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी गयी बधाई विपक्ष को इतनी चुभ क्यों रही है?

साथ ही संजय राउत भारतीय लोकतंत्र को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह भी देखना चाहिए कि स्वयं अमेरिका में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर कितने गंभीर सवाल उठ चुके हैं। दुनिया ने देखा कि वर्ष 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव परिणाम स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। चुनावी धांधली के आरोपों को लेकर उनके समर्थकों ने अमेरिकी संसद भवन कैपिटल हिल पर हमला तक कर दिया था, जिसे अमेरिकी लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय माना गया। उस घटना में हिंसा हुई, कई लोग घायल हुए और पूरे विश्व ने अमेरिका की लोकतांत्रिक व्यवस्था को संकट में देखा। इतना ही नहीं, ट्रंप लगातार अमेरिकी चुनाव प्रणाली, न्याय व्यवस्था और मीडिया की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते रहे हैं। ऐसे में भारतीय नेताओं द्वारा अमेरिका को सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र का प्रमाण पत्र बांटने वाला देश मान लेना अपने आप में कई प्रश्न खड़े करता है। भारत में चुनाव करोड़ों मतदाताओं की भागीदारी से शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होते हैं और सत्ता परिवर्तन भी संवैधानिक प्रक्रिया के तहत होता है। इसलिए विदेशी नेताओं से शिकायत करने से पहले विपक्ष को यह भी देखना चाहिए कि जिन देशों की ओर वह उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है, वहां स्वयं लोकतंत्र कितनी चुनौतियों से गुजर रहा है।

# आईपीएल में आज होगा राजस्थान रायल्स और गुजरात टाइटंस का मुकाबला

**जयपुर (एजेंसी)।** राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को आईपीएल में यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से खेलेगी। रॉयल्स का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान पर जीत दर्ज कर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ना रहेगा। अभी तक इस सत्र में दोनो ही टीमों ने छह-छह मैच जीतकर 12 अंक हासिल किये हैं। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। राजस्थान के पास यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं जो उसे बड़ी स्कोर तक पहुंचा सकते हैं जबकि जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज हैं। टीम के कप्तान रियान पराग भी इस मैच में जीत के साथ ही टीम को आगे ले जाना चाहेंगे। वहीं गुजरात के पास कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बेहतरीन बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में उसके पास कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा राशिद खान जैसा स्टार गेंदबाज है। मौजूदा सीजन में यहां अब तक दो मुकाबले खेले गए हैं जो कि दोनों ही लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीते हैं। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम यहां पहले गेंदबाज़ी ही करना चाहेगी। ऐसे में पहले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को अपने स्कोर का बचाव करने कम से कम 220 रन बनाने होंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 9 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 3 जबकि टाइटंस ने 0 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गुजरात की दावेदारी मजबूत नजर आती है।

RR
GT
IPL
RAJASTHAN ROYALS
GUJARAT TITANS

## टीम इस प्रकार है

**राजस्थान रॉयल्स:** रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, शुभम दुबे, जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर-तुषार देशपांडे।

**गुजरात टाइटंस:** शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, जेसन होल्डर, अरशद खान, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर-मानव सुथार।

# प्रिंस की गेंद ने उड़ाया विकेट, देखकर हैरान हुए विराट

**लखनऊ (एजेंसी)।** आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली शुरुआत में ही प्रिंस यादव का शिकार बने। इस मैच में दूसरा ओवर फेंकने आए प्रिंस के सामन विराट थे। प्रिंस की पहली गेंद पर कोहली ने सतर्कता बरती। अगली गेंद, 140.4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई। प्रिंस ने पहली गेंद आउटस्विंगर डाली थी, लेकिन इस बार गेंद पिच पर टप्पा खाने के बाद बिजली की तेजी से अंदर की तरफ घूम गई। कोहली एक शानदार फॉरवर्ड पुश खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद और बल्ले के बीच इतना फासला रह गया कि किसी को कुछ समझ ही नहीं आया। गेंद ने कोहली के डिफेंस को भेदते हुए सीधा ऑफ स्टंप उखाड़ दिया, जिससे स्टंप्स हवा में बिखर गये।

जैसे ही स्टंप्स की गिल्लियां हवा में बिखरीं, पूरा इकाना स्टेडियम एक पल के लिए सुन्न हो गया। विराट क्रीज पर ही देखते रह गए। वह हैरान होकर पिच को ताकने लगे। उन्हें भ्ररोसा ही नहीं हो रहा था कि एक युवा और अनुभवहीन गेंदबाज ने उनकी तकनीक में सेंध लगा दी है। कोहली के चेहरे पर अविश्वास के भाव थे, मानो वह खुद से पूछ रहे हों कि गेंद इतनी अंदर कैसे आई। सिर्फ 2 गेंदों का सामना और स्कोरबोर्ड पर 0 रन। यह 'गोल्डन डक' तो नहीं था, लेकिन यह 2-बॉल डक आरसीबी के प्रशंसकों के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। दूसरी तरफ, प्रिंस यादव हवा में मुक्के मारते हुए खुशी से झूम रहे थे। एक युवा गेंदबाज के लिए विराट कोहली का विकेट लेना किसी सपने के सच होने जैसा था। कोहली कुछ पलों तक वहीं खड़े रहे, फिर भारी मन से पवेलियन की ओर चल दिए।

# रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में किया अपना 100वां गोल

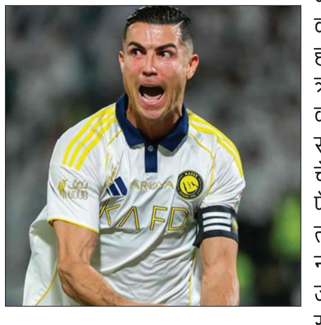

रियाद। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल किया जिससे अल-नासर ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर तालिका में शीर्ष पर पांच अंकों की बढ़त बना ली। इस 41 वर्षीय फॉरवर्ड ने गुरुवार को मैच समाप्त होने से 15 मिनट पहले साडियो माने के क्रॉस पर हुए गोल किया जो उनके करियर का 971वां गोल है। यह इस सत्र में लीग में उनका 26वां गोल भी था। चेल्सी के पूर्व खिलाड़ी जोआओ फेलिक्स ने अल-नासर की तरफ से तीन गोल किए। इस जीत से अल-नासर के 32 मैचों में 82 अंक हो गए हैं, जो दूसरे नंबर पर काबिज अल-हिलाल से पांच अंक अधिक हैं। अल-हिलाल को अभी तीन मैच खेलने हैं जो अल-नासर से एक अधिक है। पांच बार के बैलोन डीओर विजेता रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नासर से जुड़े थे लेकिन उनकी मौजूदगी में इस टीम ने सऊदी अरब में अभी तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीती है।

# श्रेयस अय्यर बन सकते हैं भारतीय टीम के कप्तान, सूर्यकुमार यादव का कटेगा पत्ता

**मुम्बई (एजेंसी)।** श्रेयस अय्यर को जल्द ही उनकी शानदार IPL कप्तानी के रिकॉर्ड का इनाम मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय चयनकर्ता उन्हें भारत की टी20आई टीम के अगले कप्तान के तौर पर देख रहे हैं। इस कदम से मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव का पत्ता कट सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भविष्य के लिए एक नया टी20आई सेटअप तैयार करना चाहता है, जिसमें श्रेयस अय्यर टीम की कप्तानी करने के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। भारत एक व्यस्त टी20 कैलेंडर की तैयारी कर रहा है जिसमें 2028 का टी20 विश्व कप और 2028 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक शामिल हैं, जहां क्रिकेट की खेलों में वापसी होगी।

फ्रैंचाइजी क्रिकेट में एक कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर के उभार ने कथित तौर पर चयनकर्ताओं की सोच में एक बड़ी भूमिका निभाई है। इस स्टाइलिश बल्लेबाज ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को उनका तीसरा IPL खिताब दिलाया और उसके बाद पंजाब किंग्स को IPL 2025 के फाइनल तक पहुंचाया। उनके नेतृत्व कौशल, रणनीतिक समझ और दबाव वाली स्थितियों को संभालने की क्षमता की भारतीय क्रिकेट जगत में खूब तारीफ हुई है।

इसके विपरीत सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ महीनों से अपनी फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस 35 वर्षीय बल्लेबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान 9 पारियों में 242 रन बनाए जिसमें से 84 रन उन्होंने USA के खिलाफ एक ही पारी में बनाए थे। उनकी खराब फॉर्म IPL 2026 में भी जारी रही, जहां मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वे पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे के पायदान पर बने हुए हैं।

भारत इस साल के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई मैच और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20आई सीरीज खेलने वाला है। यह सीरीज भारतीय टी20 क्रिकेट में श्रेयस अय्यर के युग की शुरुआत साबित हो सकती है।

# आरसीबी से मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी खबर, कप्तान हार्दिक पांड्या टीम से जुड़े

**रायपुर (छत्तीसगढ़) (एजेंसी)।** कप्तान और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पीठ में खिंचाव के कारण पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपने अहम IPL 2026 मुकाबले से पहले रायपुर में मुंबई इंडियंस (MI) टीम से जुड़ गए हैं। इस बात की पुष्टि फ्रेंचाइजी के इंस्टाग्राम पेज पर की गई जहां उन्होंने अपने कप्तान हार्दिक की एक पोस्ट शेयर की।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ MI के पिछले IPL 2026 मुकाबले के दौरान हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी। LSG पर मुंबई की शानदार जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रयान रिकेटन ने हार्दिक की चोट को लेकर उठ रही चिंताओं पर बात की। रिकेटन ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि उनके कब तक वापस आने की उम्मीद है। मुझे आज दोपहर ही पता चला कि उनकी पीठ में खिंचाव है, इसलिए मुझे यह नहीं पता कि यह कितना गंभीर है। मैं इसे चोट नहीं कहना चाहूंगा; मुझे नहीं पता कि यह कितनी बुरी है या उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि इस हफ्ते जब हम रायपुर जाएंगे, तो वह फिर से टीम के साथ होंगे।'

शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक पूरा ट्रेनिंग सेशन तय है और उम्मीद है कि पांड्या शुक्रवार को नेट्स में टीम के साथ अभ्यास करेंगे। डिफेंडिंग चैंपियन RCB रविवार शाम को होने वाले एक जबरदस्त मुकाबले में 5 बार की चैंपियन टीम की मेजबानी करेगी। सात हार और तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल पर नौवें स्थान पर है और प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी थोड़ी-बहुत उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए उसे अपने बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। इस बीच लखनऊ में रुस्त्र से हारने के बाद बेंगलुरु की टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई है, और इस टूर्नामेंट में यह उनकी चौथी हार है।

# आईपीएल को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने जारी की नई एडवाइजरी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र में कई नियमों के उल्लंघन पर नाराजगी जताते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने खिलाड़ियों और टीम मालिकों के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें कई नियमों के साथ ही आचार संहिता के पालन पर भी जोर दिया गया है। इस दौरान बोर्ड की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) ने डग-आउट में अनधिकृत व्यक्तियों के मौजूद रहने के साथ ही ऐसे कई ऐसे नियमों के उल्लंघन की ओर इशारा किया है जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हुए हैं। जिससे बोर्ड को ये कदम उठाना पड़ा है। बोर्ड को आशंका है कि इससे फिक्सिंग और हनी-ट्रैप के मामले हो सकते हैं। इन जानकारियों के आधार पर, बीसीसीआई ने सभी आईपीएल टीमों को एक एडवाइजरी भी भेजी है और इस सप्ताह के अंत में सभी फ्रेंचाइजी के सीईओ की एक बैठक भी बुलाई है। इस बैठक का लक्ष्य उन्हें नियमों की याद दिलाना और उन टीमों या व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करना है जिन्होंने नियमों का पालन नहीं किया है। सैकिया ने बताया कि अनधिकृत लोग टीम बस, होटलों और डग-आउट एरिया में यात्रा करते या घूमते पाए गए हैं, जो सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों और टीमों के आचरण से जुड़े नियम 2008 से लागू हैं, लेकिन हाल के दिनों में इन नियमों को लेकर लापरवाही देखी गई है। बोर्ड अब किसी भी उल्लंघन पर ढिलाई नहीं बरतेगा और आगामी बैठक में सभी को इस एडवाइजरी के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा। नई एडवाइजरी में बीसीसीआई ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने चेताया है कि हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को निशाना बनाकर उन्हें हनी-ट्रैप में फंसाया जा सकता है। ऐसे में टीमों को हर समय सतर्क रहने को कहा गया है। इसके अलावा, टीम मैनेजर की लिखित अनुमति के बिना कोई भी बाहरी व्यक्ति खिलाड़ी या स्टाफ के कमरे में नहीं जा सकता; मेहमानों से केवल होटल की लॉबी या पब्लिक एरिया में ही मिला जा सकता है। कुछ खिलाड़ियों द्वारा सुरक्षा अधिकारियों को बताए बिना होटल से बाहर जाने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगाई गई है; अब होटल से बाहर जाने के लिए सुरक्षा अधिकारी से मंजूरी लेना अनिवार्य है और खिलाड़ियों के मूवमेंट का पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि खिलाड़ियों को स्टेडियम, होटल और प्रैक्टिस के दौरान अपना आईडी कार्ड हमेशा गले में पहनना होगा, और आईडी दिखाने में आनाकानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि IPL 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेऑफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिक में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं। पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है। इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं। वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है। यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। इसके अलावा कहा कि राजस्थान रॉयल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रॉयल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

# टी20 में टिके रहने गेंदबाजों को विविधता लाने के साथ ही नये अस्त्र जोड़ने होंगे : क्रुणाल पांड्या

**लखनऊ (एजेंसी)।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारुप में बल्लेबाज नियमों का लाभ उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उसे देखते हुए गेंदबाजों को भी विविधता अपनानी पड़ेगी तभी वे मुकाबले में टिक पायेंगे। क्रुणाल ने कहा, अगर आप पिछले एक दशक से आईपीएल को करीब से देख रहे हैं, तो अपने देखा होगा कि बल्लेबाजों की आक्रामकता में तेजी आई है। आज पावर-हिटिंग लगातार विकसित हो रही है और नए जमाने के बल्लेबाज आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। ऐसे में गेंदबाज के रूप में, आपको विविधत लाते हुए नये प्रयोग करते रहने होंगे। नये प्रकार के अस्त्र लाकर ही गेंदबाज हावी हो सकते हैं। इसके लिए उन्हे बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना होगा। । इसी कारण उन्होंने वह बाउंसर और यॉर्कर जैसी गेंदों फेंकने लगे हैं।

इस सीजन में अब तक 9 विकेट लेने वाले और आईपीएल में कुल 100 विकेट का आंकड़ा पार कर चुके क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए अपने को प्रासंगिक बनाए रखा है। एक स्पिनर होने के बावजूद, उन्होंने बाउंसर पर भरोसा किया। उन्होंने बताया कि यह अचानक नहीं था कि एक स्पिनर के तौर पर उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू कर दिया। यह एक सोची-समझी योजना थी, जिसमें बल्लेबाज पर बाउंसर के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझना शामिल था। खुद बल्लेबाज होने के नाते, उन्हें प्रतिद्वंद्वी की मानसिकता समझने में मदद मिलती है, जिससे वह हमेशा सोचने की प्रक्रिया में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं।

क्रुणाल की रणनीति उनके कमजोर स्कोरिंग क्षेत्रों को निशाना बनाने पर केंद्रित होती है। अगर कोई बल्लेबाज कवर्स के ऊपर से आसानी से रन बनाता है, तो क्रुणाल उसे मिड-विकेट के ऊपर से शॉट खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश करते हैं। इसी तरह, अगर उसे स्लॉग स्वीप पसंद है, तो उसे लॉन्ग ऑफ के ऊपर से शॉट खेलने पर मजबूर किया जाता है।

# केएल राहुल ने रचा इतिहास, तीन अलग-अलग फेंचाइजियों के लिए 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मुकाबले के दौरान केएल राहुल ने अपने IPL करियर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। राहुल की पारी 23 रन पर ही समाप्त हो गई, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के इस बल्लेबाज ने IPL के इतिहास में ऐसा पहला खिलाड़ी बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जिसने तीन अलग-अलग फेंचाइजियों के लिए 1000 से ज़्यादा रन बनाए हों। राहुल ने अब पंजाब किंग्स के लिए कुल 2548 रन, लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए 1410 रन और दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1002 रन बनाए हैं। यह उपलब्धि इस टूर्नामेंट में पिछले कुछ सालों के दौरान अलग-अलग टीमों और बैटिंग भूमिकाओं में उनकी निरंतरता को दर्शाती है। केएल राहुल का विकेट पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर गिरा जब कार्तिक त्यागी ने एक धीमी गेंद डालकर राहुल को चकमा दे दिया। गेंद को कवर के ऊपर से 'इनसाइड-आउट' शॉट लगाकर हवा में उछालने की कोशिश में राहुल गेंद की पिच तक नहीं पहुंच पाए और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर मिड-ऑन की तरफ हवा में ऊंची चली गई, जहां कैमरन ग्रीन ने एक शानदार कैच लपक लिया।

# इस साल के अंत में त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज की मेजबानी करेगा पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका भी होंगे शामिल

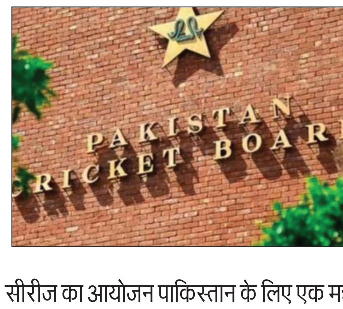

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए आने वाला सत्र काफी व्यस्त रहने वाला है। पाक इस साल के अंत में एक त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा जिसमें इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी खेलेंगी। यह सीरीज अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है। पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड के बीच इस पर सहमति तकरीबन बन गयी है। केवल मैच स्थलों को अंतिम रुप दिया जा रहा है। टी20 क्रिकेट के कारण आजकल एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन अब काफी कम हो गया है। लगभग डेढ़ दशक पहले तक ये काफी लोकप्रिय थीं, लेकिन वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इनका आयोजन कभी-कभी ही होता है। ऐसे में इस त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण घटना होगी, जिससे देश में उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी को और भी मजबूती मिलेगी। त्रिकोणीय सीरीज के अलावा, श्रीलंकाई क्रिकेट टीम भी पाकिस्तान का दौरा कर सकती है, जिसमें दो टेस्ट और तीन टी20 मैच शामिल होने की संभावना है। इन आयोजनों से पहले, पाकिस्तान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 30 मई, 2 जून और 4 जून को तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा, जबकि शेष दो मुकाबले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस सीरीज में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त होने के कारण, पैट कमिंस सहित कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अनुपलब्ध रह सकते हैं, क्योंकि आईपीएल 31 मई तक चलने वाला है। ऐसे में, एक नई ऑस्ट्रेलियाई टीम के पाकिस्तान पहुंचने की संभावना है।

# लखनऊ को प्लेऑफ में पहुंचने बड़े अंतर से जीतने होंगे अपने सभी मुकाबले

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली जीत से लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बन गयी हैं। आरसीबी के खिलाफ मिली इस जीत से टीम में उत्साह का संचार भी हुआ है। इस तीसरी जीत के बावजूद, लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति अंक तालिका में अभी भी बेहद कठिन बनी हुई है। 10 मैच खेलने के बाद सुपर जाएंट्स की टीम अब तक केवल 3 मैच जीती है जबक 7 हारी है। जिससे वह कुल 6 अंकों के साथ ही अंक तालिका में 10वें स्थान पर ही है। ऐसे में प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए उन्हें अब अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन करना होगा।

सुपर जाएंट्स के अभी चार लीग मैच बाकी हैं और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए इन सभी मैचों में उसे जीत हासिल करनी होगी। है। यदि एलएसजी अपने सभी शेष चार मैच जीत लेती है, तो उनके कुल अंक 14 हो जाएंगे। आमतौर पर, आईपीएल में प्लेऑफ के लिए 14 अंक पर्याप्त नहीं हैं। इससें टीम नेट रन रेट में बेहतर होने पर ही आगे जा सकती है। इसलिए सुपर जाएंट्स को अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतना होंगे।, इसके अलावा लखनऊ को अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा। उन्हें उम्मीद करनी होगी कि प्लेऑफ की दौड़ में शामिल कुछ टीमें अपने महत्वपूर्ण मैच हार जाएं ताकि 14 अंकों का आंकड़ा उन्हें शीर्ष-4 में ले जा सके।

उसके अब 10 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 15 मई को फिर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 19 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ और 23 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलना है।

# टी20 नहीं, वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टेस्ट टीम में शामिल करने की सलाह

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम में शामिल करने की मांग तेज हो रही है जिसमें टी20 ही नहीं टेस्ट टीम में शामिल करने का भी समर्थन मिल रहा है। सूर्यवंशी अभी सिर्फ 15 साल के हैं और पिछले एक साल में उन्होंने जो कुछ हासिल किया है। उन्होंने ज़्यादातर टी20 क्रिकेट खेला है और बीच-बीच में कुछ वनडे भी खेले हैं। रेड बॉल क्रिकेट वह फॉर्मेट है जिसमें उन्होंने सबसे कम खेला है। सिर्फ 8 फर्स्ट-क्लास मैच और कुछ यूथ टेस्ट मैचों के अनुभव के साथ सूर्यवंशी निश्चित रूप से लंबे समय में भारतीय टेस्ट टीम के लिए एक संभावित खिलाड़ी बन सकते हैं, लेकिन वह उस फॉर्मेट के लिए सबसे ज़्यादा उपयुक्त हैं जिसमें उन्होंने सबसे ज़्यादा बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

सूर्यवंशी के मेंटर और उन्हें राजस्थान रॉयल्स में लाने के लिए जिम्मेदार ज़ुबिन भरूचा का पक्का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी को भारतीय टीम में डेब्यू करवाना ही सबसे सही फैसला होगा। भरूचा का ध्यान 1989 की ओर जाता है, जब BCCI ने युवा सचिन तेंदुलकर पर भरोसा जताया था और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट कैप सौंपी थी। उसके बाद जो हुआ, जैसा कि कहा जाता है, वह इतिहास है।

भरूचा ने Wisden से कहा, 'यह एक मुश्किल फैसला है, क्योंकि सच कहूं तो अगर आप किसी भी पैमाने जैसे स्कोर, स्ट्राइक-रेट, बनाए गए रन से देखें, तो वह पहले से ही लाइन में इंतजार कर रहे कई लोगों से काफी आगे हैं। मुझे सच में लगता है कि उन्हें विश्वास की वह छलांग लगानी चाहिए, जैसा उन्होंने सचिन तेंदुलकर के साथ किया था और उन्हें सीधे टीम में शामिल कर लेना चाहिए।'

सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट में आजमाने को लेकर जरा भी शक नहीं है, लेकिन भरूचा का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी में ओपनर होने के अलावा भी बहुत कुछ खास है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि तकनीकी रूप से, वह खुद को पूरी तरह से समर्पित नहीं करते। वह हमेशा बैकफुट पर रहते हैं, और मेरे लिए यही बैटिंग का सबसे बड़ा मंत्र है। इसलिए जब गेंद स्विंग हो रही हो, अगर आप अपना फ्रंटफुट आगे नहीं बढ़ाते, तो यह महानतम बल्लेबाजों की निशानी है। सवाल यह है कि क्या हम उन्हें गेंद स्विंग होने पर भी इसी क्रम का पालन करवा सकते हैं। मुझे यह भी लगता है कि ओपनिंग करना उनके लिए सही नहीं है। उनके पास देने के लिए और भी बहुत कुछ है, इसलिए यह कहना गलत होगा कि उन्हें सीधे ओपनिंग स्लॉट में भेज दिया जाए।'

भरूचा ने कहा, 'मैं अभी उन्हें नंबर 4 पर नहीं रखूंगा। वह अभी उससे थोड़ा पीछे हैं। नंबर 5-6, जहां वह शायद 60वें या 70वें ओवर में आकर तेजी से 40-50 रन बना सकते हैं। फिर शायद जब बीच में कहीं नई गेंद आए, तो वह उसे संभालना सीख जाएं। मेरी लंबी अवधि की सोच यह है कि अगर हम उन्हें स्विंग होती गेंद की बारीकियां समझा पाएं कि वह अलग-अलग स्थितियों में उसका सामना कैसे करें। उदाहरण के लिए अगर बेंगलुरु में कोई टेस्ट मैच है, तो वह ओपनिंग करके भी रन बना सकते हैं; लेकिन अगर वह लीड्स या किसी और जगह जाते हैं, जहां आस-पास इतने सारे खिलाड़ी होने की वजह से गेंद ठीक से दिखाई नहीं देती, तो यह एक चुनौती हो सकती है। फिर भी, समय के साथ अगर वह यह सब समझ जाते हैं, तो वह टॉप ऑर्डर में भी उतने ही खतरनाक साबित होंगे जितने कि निचले क्रम में। यही इस पहेली का आखिरी टुकड़ा होगा।'

स्वर्ण खबर

## सरेआम शराब और धूम्रपान पर पुलिस का शिकंजा
## 110 लोगों पर कार्रवाई, गांजा पीते युवक को पकड़ा

स्वर्ण खबर डेस्क

**हैदराबाद।** सिकंदराबाद जोन में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने, धूम्रपान करने और गांजा सेवन करने वालों के खिलाफ पुलिस ने गुरुवार शाम बड़ा अभियान चलाया। 7 मई 2026 को शाम 6:30 बजे से रात 8:30 बजे तक चले इस विशेष अभियान में पुलिस ने कुल 110 लोगों पर कार्रवाई की।
डीसीपी सिकंदराबाद जोन Rakshitha Krishna Murthy के निर्देशन में 38 पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने जीएचएमसी पार्क, कब्रिस्तान, वाइन शॉप्स और अन्य चिन्हित संवेदनशील एवं अंधेरे स्थानों पर सघन जांच की।
अभियान के दौरान 81 लोग सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते मिले, जबकि 28 लोग खुलेआम धूम्रपान करते पकड़े गए। वहीं एक युवक गांजा सेवन करते हुए गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज किए गए।पुलिस ने कार्रवाई के साथ सभी लोगों की काउंसलिंग भी की और भविष्य में ऐसी गतिविधियां दोबारा नहीं करने की चेतावनी दी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि खुलेआम शराबखोरी, सार्वजनिक धूम्रपान और गांजा सेवन से आम लोगों को परेशानी होती है तथा कानून व्यवस्था प्रभावित होती है।सिकंदराबाद पुलिस ने साफ किया है कि ऐसे विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। अभियान में सभी एसीपी, थाना प्रभारी और पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

## तेलंगाना में एक और 'जल आंदोलन' का शंखनाद: एमएलसी

स्वर्ण खबर डेस्क

**हैदराबाद,(एम.एस.तिवारी)।** तेलंगाना की राजनीति में एक बार फिर पानी के अधिकारों को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। टीआरएस (बीआरएस) द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में एमएलसी कविता ने राज्य की वर्तमान स्थिति, जल संकट और विकास के मुद्दों पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि तेलंगाना के जल अधिकारों की रक्षा के लिए 'तेलंगाना रक्षा बल' का गठन किया जा चुका है और जल्द ही राज्य एक और बड़े 'जल आंदोलन' का गवाह बनेगा।
इस राजनीतिक विमर्श और कविता के संबोधन के मुख्य बिंदुओं को नीचे विस्तार से समझा जा सकता है: 'सिर्फ जलाशय बनाना काफी नहीं '
कविता ने सिंचाई के बुनियादी ढांचे पर चर्चा करते हुए पिछली सरकार के नहरों का अभाव: उन्होंने स्वीकार किया कि भारी धन खर्च करने के बावजूद किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाया। उनका तर्क था कि केवल जलाशय बनाना पर्याप्त नहीं है, जब तक खेतों तक पानी पहुँचाने के लिए नहरों का निर्माण नहीं होता।अपेक्षा के अनुरूप लाभ नहीं: हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी किसानों को वह लाभ नहीं मिला जिसकी उम्मीद की गई थी।

**क्षेत्रीय राजनीति और मुख्यमंत्री पर प्रहार**

एमएलसी कविता ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और महबूबनगर क्षेत्र की उपेक्षा पर **तीखे सवाल दागे:**
अविभाजित महबूबनगर की अनदेखी: उन्होंने आरोप लगाया कि इस क्षेत्र से मुख्यमंत्री होने के बावजूद यहाँ के लोगों को न्याय नहीं मिला। कांग्रेस को 12 सीटें मिलने के बाद भी विकास कार्य ठप पड़े हैं।
रेवंत रेड्डी को नसीहत: कविता ने कहा कि मुख्यमंत्री को केवल कोडंगल तक सीमित न रहकर पूरे राज्य के विकास की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

**राष्ट्रीय मांगें और भविष्य की रणनीति**

बैठक के दौरान कविता ने केंद्र सरकार और सामाजिक न्याय के मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया:परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा: उन्होंने केंद्र से पालमुरु-रंगा रेड्डी परियोजना को तुरंत राष्ट्रीय दर्जा देने की मांग की।

## नगर निगम के तत्वावधान में विशाल जागरूकता रैली का आयोजन

स्वर्ण खबर डेस्क

**करीमनगर टाउन, ।** देश की प्रगति की नींव मानी जाने वाली जनगणना के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए नगर निगम के तत्वावधान में शुक्रवार को शहर में एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महापौर कोलागनी श्रीनिवास, सुदा अध्यक्ष कोमातिरेड्डी नरेंद्र रेड्डी, नगर आयुक्त प्रफुल देसाई और आरडीओ महेश्वर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कला भारती पर ध्वजारोहण करके रैली का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में नगर निगम के कर्मचारी, कार्यकर्ता, पैदल यात्री, खिलाड़ी और छात्र सहित सभी ने अंबेडकर स्टेडियम तक जागरूकता रैली निकाली। इस अवसर पर बोलते हुए महापौर ने कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो देश के भविष्य और विकास योजना को निर्धारित करती है। उन्होंने कहा कि लोगों की वर्तमान जरूरतों को जानने और तदनुसार शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के लिए योजनाएं बनाने के लिए जनगणना आवश्यक है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से अपना विवरण दर्ज कराने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में कई पार्षदों, अधिकारियों, कर्मचारियों, खिलाड़ियों और पैदल यात्रियों ने भाग लियालोगों की वर्तमान जरूरतों को जानने और तदनुसार शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के लिए योजनाएं बनाने के लिए जनगणना आवश्यक है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से अपना विवरण दर्ज कराने का आग्रह किया।

स्वर्ण ख़बर
PULSE OF THE NATION
National Newspaper | Hindi & English
Breaking News | Ground Reports | Exclusive Stories
Delivering Truth. Speed. Impact.
Stay informed. Stay ahead.
FOLLOW US:
Editor In Chief: Rajaram Goutam | South Edition Co-Editor: Moti Shankar Tiwari | +91-9928450637, +91-9462549799

## तेलंगाना में 'सियासी संग्राम': BRS डेलिगेशन ने DGP से की मुलाकात
## करीमनगर हमले को लेकर सरकार और भाजपा पर साधा निशाना
### विधायक पाडी कौशिक रेड्डी पर हुए हमले के बाद भड़के बीआरएस नेता;बोले- 'राज्य में कानून-व्यवस्था हुई बेकाबू, बंदी संजय के उकसावे पर हो रही गुंडागर्दी'

स्वर्ण खबर डेस्क

**हैदराबाद,।** करीमनगर में बीआरएस विधायक पाडी कौशिक रेड्डी के वाहन और पूर्व मंत्री गंगुला कमलाकर के कार्यालय पर हुए हमले के बाद तेलंगाना की राजनीति में उबाल आ गया है। इस घटना के विरोध में शुक्रवार को भारत राष्ट्र समिति (BRS) के विधायकों और एमएलसी के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त डीजीपी सीवी आनंद से मुलाकात की। बीआरएस नेताओं ने राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर गहरी चिंता जताई और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।
इस राजनीतिक विवाद के मुख्य पक्षों और बयानों को नीचे विस्तार से समझा जा सकता है:
BRS का आरोप: 'विपक्ष की आवाज दबाने के लिए हो रहे हमले ' बीआरएस नेताओं ने आरोप लगाया कि राज्य में कानून का इकबाल खत्म हो गया है और विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है।

दासोजू श्रवण का प्रहार: उन्होंने कहा कि कौशिक रेड्डी द्वारा जायज सवाल पूछे जाने पर उन पर हमला किया गया। उन्होंने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय के व्यवहार को कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाला बताया।

**पल्ला राजेश्वर रेड्डी की चेतावनी:** विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने तेलंगाना की तुलना पिछड़े राज्यों से करते हुए कहा कि पुलिस की अक्षमता के कारण कार्यकर्ताओं ने जानलेवा हमला करने की हिम्मत की। उन्होंने आरोप लगाया कि बंदी संजय के उकसावे पर यह सब हो रहा है।

**'अहंकार' और 'सबक सिखाने' की जंग**

विधायक विवेकानंद गौड़ ने इस दौरान बेहद सख्त लहजे में भाजपा और मुख्यमंत्री पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंदी संजय का अहंकार बढ़ गया है और वह अपनी भाषा का विरोध सहन नहीं कर पा रहे हैं। गौड़ ने चेतावनी दी कि समय आने पर उन्हें इसका उचित सबक सिखाया जाएगा और भाजपा नेताओं को गुजरात जाकर छिपना पड़ेगा।

**डीजीपी को सौंपे सबूत**

प्रतिनिधिमंडल ने करीमनगर हमले से संबंधित वीडियो और अन्य डिजिटल साक्ष्य डीजीपी को सौंपे हैं। बीआरएस ने मांग की है कि राजनीतिक दलों के कार्यालयों और नेताओं के घरों पर हो रहे इन हमलों को तुरंत रोका जाए और पुलिस निष्पक्षता से काम करे।

## किशन रेड्डी का CM रेवंत और केसीआर पर बड़ा हमला:
## 'तेलंगाना के विकास में केंद्र के योगदान की इन्हें समझ ही नहीं'
### PM मोदी की यात्रा चुनावी नहीं, 9,000 करोड़ की सौगात

स्वर्ण खबर डेस्क

**हैदराबाद,(एम.एस.तिवारी)।** तेलंगाना की राजनीति में वार-पलटवार का दौर तेज हो गया है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता जी. किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और भारत राष्ट्र समिति (BRS) के प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर तीखा प्रहार किया है। शुक्रवार को हैदराबाद में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों ही नेताओं को इस बात की समझ नहीं है कि केंद्र सरकार ने पिछले एक दशक में तेलंगाना के विकास के लिए कितना बड़ा सहयोग दिया है।

इस सियासी बयानबाजी और आगामी विकास कार्यों के मुख्य बिंदुओं को **चर्चा के लिए खुली चुनौती: '12 साल का हिसाब देने को तैयार'**

किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री और केसीआर को चुनौती देते हुए कहा कि वे पिछले बारह वर्षों के दौरान केंद्र सरकार द्वारा तेलंगाना राज्य को दिए गए समर्थन और फंड पर किसी भी मंच पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं को विकास के आंकड़ों की समझ नहीं है और वे केवल राजनीति कर रहे हैं।

**PM मोदी की यात्रा: चुनावी नहीं, विकास का शंखनाद**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी

**तेलंगाना यात्रा को लेकर किशन रेड्डी ने स्थिति स्पष्ट की:**

**विकास को प्राथमिकता:** उन्होंने कहा कि हैदराबाद में प्रधानमंत्री की उपस्थिति के बाद तेलंगाना और भी मजबूत होकर उभरेगा।

**9,000 करोड़ की सौगात:** किशन रेड्डी ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री मोदी तेलंगाना में 9,000 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।

**चुनावी कार्यक्रम नहीं:** मंत्री ने विरोधियों के उन दावों को खारिज कर दिया जिसमें इस यात्रा को चुनावों से जोड़ा जा रहा था। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह यात्रा पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आने से काफी पहले ही तय हो चुकी थी और इसका उद्देश्य केवल विकास है।

## हैदराबाद में सनसनी: रिटायर्ड DG की पत्नी की बेरहमी से हत्या, 'नेपाली गैंग' के साथ मिलकर नौकरानी ने दिया वारदात को अंजाम
### जुबली हिल्स के पॉश इलाके में हाथ-पांव बांधकर उतारा मौत के घाट

स्वर्ण खबर डेस्क

**हैदराबाद(एम.एस.तिवारी)।** सेवानिवृत्त महानिदेशक विनय रंजन रॉय की पत्नी तनुजा (55) की जुबली हिल्स के प्रशासन नगर में हत्या कर दी गई। हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने मीडिया से इस हत्या के बारे में विस्तार से बात की । उन्होंने बताया कि पहले उन्हें सूचना मिली थी कि सेवानिवृत्त महानिदेशक की पत्नी तनुजा की हत्या एक अफवाह है। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्त महानिदेशक की पत्नी तनुजा की हत्या कल (गुरुवार) तड़के 2 बजे हमलावरों ने की। उन्होंने कहा कि उनकी शुरुआती राय यह है कि यह किसी नेपाली गिरोह का काम है। उन्होंने बताया कि कुछ सुराग मिले हैं और उन्हीं सुरागों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने सभी को नेपाली कामगारों से सावधान रहने की सलाह दी।सीपी सज्जनार ने बताया कि नेपाली कामगार तब अपराध कर रहे हैं जब घर में कोई नहीं होता। उन्होंने बताया कि कल रात (गुरुवार) जब सेवानिवृत्त डीजी के घर में कोई नहीं था, तब कल्पना नाम की एक महिला ने कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर यह अपराध किया। उन्होंने बताया कि आरोपी पिछले दरवाजे से घर में घुसे थे। उन्होंने खुलासा किया कि घटना के समय दो बच्चे ऊपरी मंजिल पर थे और तनुजा भूतल पर थी। उन्होंने बताया कि बाहर के लोगों का घर में मौजूद नौकरानी कल्पना से संपर्क हुआ और उसने यह अपराध किया। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराना नहीं चाहिए और आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। सीपी सज्जनार ने कहा कि नेपाली नौकरानियों पर नजर रखी जानी चाहिए, भले ही उन्होंने घर में एक या दो साल काम किया हो। उन्होंने कहा कि वे इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि गिरोह ने तनुजा के हाथ बांधकर और मुंह में कपड़ा ठूंसकर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि तनुजा सेवानिवृत्त डीजी की मां को ढूंढने हैदराबाद आई थी। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्त डीजी की मां का हाल ही में निधन हो गया था और तब से मृतक तनुजा यहीं रह रही थी। सीपी सज्जनार ने कहा कि वे इस मामले में हुए सोने और नकदी के नुकसान की जांच कर रहे हैं।

## हैदराबाद मर्डर मिस्ट्री: रिटायर्ड IPS की पत्नी की हत्या कर 'तेलंगाना एक्सप्रेस' से भागे नेपाली लुटेरे, 10 टीमें तैनात
### मुख्य साजिशकर्ता निकली नौकरानी 'कल्पना'; बेंगलुरु-मुंबई के बाद अब हैदराबाद में नेपाली गिरोह का कहर

स्वर्ण खबर डेस्क

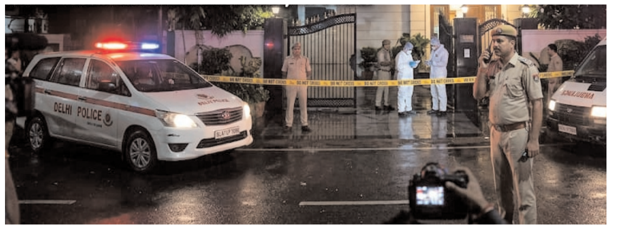

**हैदराबाद ।** शहर के पॉश इलाके में हुए पूर्व आईपीएस अधिकारी विनय रंजन राय की पत्नी तनुजा की हत्या के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने बताया कि यह वारदात एक सुव्यवस्थित 'नेपाली गिरोह' का काम है, जिसने गुरुवार तड़के 2 बजे इस खौफनाक हत्याकांड को अंजाम दिया।

**वारदात का तरीका: गला घोंटकर उतारा मौत के घाट**

पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने तनुजा के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और गला घोंटकर उनकी निर्मम हत्या कर दी। वारदात के समय विनय रंजन घर पर मौजूद नहीं थे, जिसका फायदा उठाते हुए आरोपियों ने लूटपाट की और भारी मात्रा में नकदी लेकर फरार हो गए।

**नौकरानी ही निकली 'मास्टरमाइंड'**

जांच में सामने आया है कि घर में काम करने वाली नेपाली महिला 'कल्पना' ही इस पूरी साजिश की मुख्य सूत्रधार है। उसने बाहर से अपने गिरोह के तीन अन्य सदस्यों को बुलाया और वारदात को अंजाम दिया।

**गैंगस्टर भूपेंद्र से संबंध:** पुलिस को पता चला है कि कल्पना का संबंध कुख्यात भूपेंद्र शाही के नेपाली गिरोह से है।

पिछली वारदातें: इसी गिरोह ने कुछ समय पहले नंदगिरी हिल्स में एक व्यापारी के घर से 13 लाख रुपये के हीरे लूटे थे।

**ऐसे भागे हत्यारे: सीसीटीवी से मिले सुराग**

वारदात के बाद आरोपी घर के पीछे वाले पार्क के रास्ते से भाग निकले। सीसीटीवी फुटेज की जांच से पता चला है कि: हत्यारे ऑटो से नामपल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे। वहां से वे तेलंगाना एक्सप्रेस ट्रेन पकड़कर दिल्ली के लिए रवाना हुए।

**पुलिस का एक्शन: नेपाल तक पीछा**

पुलिस आयुक्त ने बताया कि आरोपियों को दबोचने के लिए 10 विशेष टीमें तैनात की गई हैं। इनमें से दो टीमें पहले ही नेपाल के लिए रवाना हो चुकी हैं। कमिश्नर ने लोगों को चेतावनी दी है कि वे नेपाली गिरोहों से सतर्क रहें, जो बेंगलुरु, मुंबई और पुणे जैसे महानगरों के बाद अब हैदराबाद में सक्रिय हो गए हैं।

वर्तमान में मृतक तनुजा का पोस्टमार्टम कर दिया गया है और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के साथ ही पुलिस जल्द गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

## लक्ष्मीकांत को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन
### राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम RGHS सुचारू रखने हेतु मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

स्वर्ण खबर डेस्क

**दूनी।** क्षेत्र के कर्मचारियों ने बुधवार को तहसीलदार कार्यालय के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी श्री लक्ष्मीकांत मंगल को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप कर राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के कर्मचारियों पेंशनभोगियों के लिए लागू की गई चिकित्सा सुविधा देने वाली महत्वपूर्ण योजना है, जिसमें कर्मचारियों के मासिक वेतन से एक निश्चित अंशदान काटा जाता है एवं कैशलेस इलाज उपलब्ध करवाया जाता है राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दौलत सिंह चौहान ने बताया कि वर्तमान में चिकित्सा विभाग की प्रभावी मॉनिटरिंग के अभाव में इस योजना के तहत कर्मचारियों को इलाज में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिससे कर्मचारियों को निजी स्तर पर महंगा इलाज लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है साथ ही ज्ञापन में सरकार द्वारा उपार्जित अवकाश की एवज़ में दिए जाने वाले नगद भुगतान समय पर करने की भी मांग रखी संगठन के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमोद स्वर्णकार का कहना है कि सरकार समय रहते आरजीएच एस योजना पूर्व की भांति लागू नहीं करती है तो कर्मचारियों को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा ज्ञापन के दौरान परशुराम जाट,नेमीचंद यादव, दीनदयाल मीणा, दुर्लभ जैन,कमलेश सैनी, राजाराम मीणा,अजीत थलेटिया नरेंद्र माहुर कैलाश मीणा हरपाल गुर्जर, विनोद मीणा, बनवारी लाल मौजूद रहें.

## तेलंगाना नलगोंडा अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकेगी 'इक्कथा'

स्वर्ण खबर डेस्क

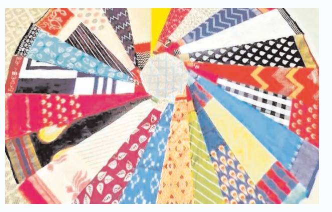

**हैदराबाद।**तेलंगाना की राजनीति में एक बार फिर पानी के अधिकारों को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। टीआरएस (बीआरएस) द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में एमएलसी कविता ने राज्य की वर्तमान स्थिति, जल संकट और विकास के मुद्दों पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि तेलंगाना के जल अधिकारों की रक्षा के लिए 'तेलंगाना रक्षा बल' का गठन किया जा चुका है और जल्द ही राज्य एक और बड़े 'जल आंदोलन' का गवाह बनेगा।
इस राजनीतिक विमर्श और कविता के संबोधन के मुख्य बिंदुओं को नीचे विस्तार से समझा जा सकता है: सिंचाई व्यवस्था पर आत्ममंथन: 'सिर्फ जलाशय बनाना काफी नहीं '
कविता ने सिंचाई के बुनियादी ढांचे पर चर्चा करते हुए पिछली सरकार के कामकाज का भी विश्लेषण किया: उन्होंने स्वीकार किया कि भारी धन खर्च करने के बावजूद किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाया। उनका तर्क था कि केवल जलाशय बनाना पर्याप्त नहीं है, जब तक खेतों तक पानी पहुँचाने के लिए नहरों का निर्माण नहीं होता।
अपेक्षा के अनुरूप लाभ नहीं: हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी किसानों को वह लाभ नहीं मिला जिसकी उम्मीद की गई थी।
क्षेत्रीय राजनीति और मुख्यमंत्री पर प्रहार
एमएलसी कविता ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और महबूबनगर क्षेत्र की उपेक्षा पर तीखे सवाल दागेअविभाजित महबूबनगर की अनदेखी: उन्होंने आरोप लगाया कि इस क्षेत्र से मुख्यमंत्री होने के बावजूद यहाँ के लोगों को

## जिला कारागृह टोंक का साप्ताहिक निरीक्षण
### एडीजे ने परखी व्यवस्थाएं, बंदियों को दी नि:शुल्क विधिक सहायता की जानकारी

स्वर्ण खबर डेस्क

**टोंक,।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक के सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश दिनेश कुमार जलुथरिया ने शुक्रवार को जिला कारागृह टोंक का साप्ताहिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जेलर राजेश मीणा से कारागृह संचालन और बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली गई। निरीक्षण के समय कारागृह में कुल 462 बंदियों में से 452 पुरुष बंदी उपस्थित पाए गए, जबकि शेष बंदियों के न्यायालय में पेशी पर होने की जानकारी दी गई। न्यायाधीश ने जेल परिसर, बैरकों और भोजनशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की गई। जेल परिसर साफ-सुथरा और व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। निरीक्षण के दौरान बंदियों से सीधे संवाद कर उनके मुकदमों की स्थिति, कोर्ट पेशी और अधिवक्ताओं से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई। जिन बंदियों के पास अधिवक्ता उपलब्ध नहीं थे, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई। इस दौरान असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल अधिवक्ता पंकज कुमावत, पीएलवी चन्द्रकला शर्मा सहित डीएलएसए टोंक के कार्मिक मौजूद रहे।

स्वर्ण खबर
टोंक, (शनिवार)
09 मई 2026

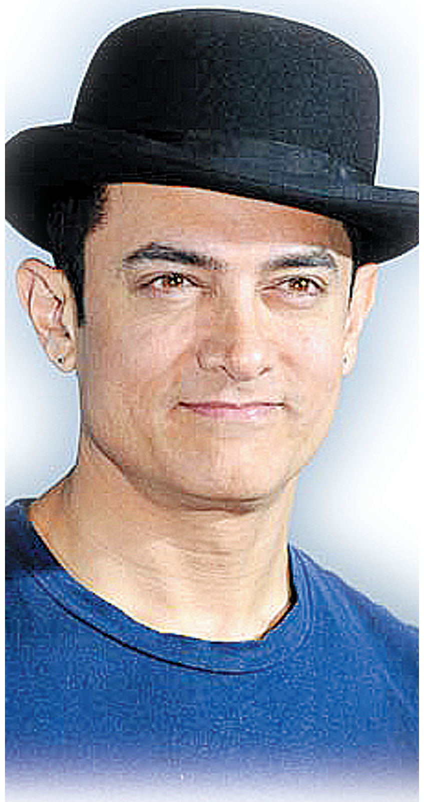

# दादासाहेब फाल्के की बायोपिक क्यों रुकी? आमिर ने बताई वजह

करीब एक साल पहले आमिर खान और राजकुमार हिरानी ने भारतीय सिनेमा के जनक दादासाहेब फाल्के पर बायोपिक बनाने का एलान किया था। इस घोषणा के बाद फिल्म को लेकर काफी उत्साह था, लेकिन अब इस प्रोजेक्ट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

‘स्क्रिप्ट से खुश नहीं, इसलिए फिलहाल रोक दी फिल्म’

अमर उजाला से बातचीत में आमिर खान बताते हैं, ‘दादासाहेब फाल्के की कहानी बहुत ही इंस्पिरेशनल है, जिस पर राजू काम कर रहे थे। उन्होंने इसके तीन ड्राफ्ट बनाए, लेकिन अभी तक वो स्क्रिप्ट से पूरी तरह खुश नहीं हैं। इसलिए उन्होंने इस फिल्म को फिलहाल बैक बर्नर पर रख दिया है। हो सकता है कि आगे चलकर वो इस पर दोबारा काम करें। फिलहाल इस वक्त राजू ‘3 इडियट्स 2’ पर काम कर रहे हैं। मैंने उसकी कहानी सुनी है, बहुत अच्छी बनी है और अभी उस पर आगे काम चल रहा है।’

### ‘10 साल बाद लौटेंगे ‘3 इडियट्स’ के किरदार’

वह बताते हैं, ‘ये बहुत ही अनोखी कहानी है। इसमें ‘3 इडियट्स’ के किरदारों की कहानी दिखाई जाएगी, लेकिन करीब दस साल बाद की। यह एक बहुत खूबसूरत कहानी है, जिसे अभिजात और राजू ने बहुत अच्छे से लिखा और सोचा है।’ आमिर मुस्कुराते हुए कहते हैं, ‘तो एक बार फिर मुझे फुनसुख वांगडू के उस किरदार में उतरना पड़ेगा।’

### ‘सितंबर या अक्टूबर से शुरू हो सकती है मेरी अगली फिल्म’

अपने आगे के प्लान को लेकर आमिर कहते हैं, ‘मैं पिछले आठ महीनों से कई स्क्रिप्ट्स सुन रहा हूं। ‘एक दिन’ के रिलीज होने के बाद मैं अपने करियर पर थोड़ा फोकस करूंगा। कई कहानियां हैं जो मुझे पसंद आई हैं।’ वह आगे कहते हैं, ‘अभी मैंने तय नहीं किया है कि कौन सी फिल्म करूंगा, लेकिन अगले एक-दो हफ्तों में, ज्यादा से ज्यादा एक महीने में फैसला ले लूंगा। मेरा अनुमान है कि इस साल के सितंबर या अक्टूबर से शूटिंग शुरू हो जाएगी।’

# पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद फिर इश्क में पड़ीं अक्षरा सिंह

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने हाल ही में अपनी लव लाइफ पर बात की है। एक वक्त में उनके प्यार के चर्चे भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह के साथ थे। दोनों का अफेयर रहा, मगर बाद में इनके बीच दूरियां आ गईं और ब्रेकअप हो गया। इतना ही नहीं, यह रिश्ता एक बुरे मोड़ पर टूटा था। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप भी लगाए। हालांकि, पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद एक्ट्रेस अब आगे बढ़ गई हैं। उनकी जिंदगी में फिर से प्यार ने दस्तक दी है।

अक्षरा बोलीं- ‘भूतकाल पर थोड़ी अटकी रहूंगी’

अक्षरा सिंह ने हाल ही में यूट्यूब चैनल जिंदाबाद को दिए इंटरव्यू में अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि क्या उन्हें दोबारा प्यार नहीं हुआ? इस पर अक्षरा ने मुस्कुराते हुए कहा, ‘हुआ है ना। चल रहा है। दोबारा क्या होता है, जो पुराना हो गया वो तो भूतकाल में चला गया। अभी मैं भविष्य की चिंता करूंगी, वर्तमान की चिंता करूंगी या भूतकाल पर अटकी रहूंगी’।

### किसे डेट कर रही हैं अक्षरा सिंह?

बातचीत के दौरान अक्षरा ने बताया कि वे एक अनजान शख्स को डेट कर रही हैं। उन्होंने उस शख्स की पहचान उजागर नहीं की। उन्होंने कहा कि वे किसी की नजर नहीं चाहतीं। अक्षरा ने कहा, ‘हां मैं प्यार में हूं, लेकिन अभी टाइम है। फिलहाल मैं प्यार के प पर पहुंची हूं। थोड़ा प्रोसेस होने दीजिए, फिर मैं सब बताऊंगी’। अक्षरा सिंह ने आगे कहा कि बिना प्यार के कोई नहीं रह सकता।

### मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है

प्यार का नाम पूछे जाने पर एक्ट्रेस ने कहा, ‘मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है। अगर मैंने नाम बता दिया और नजर लग गई तो? शादी का अभी नहीं पता, लेकिन पहले जिनसे प्यार हुआ है उन्हें जान लें। बहुत सी चीजें हैं, वो जब समझ आ जाएंगी तब देखा जाएगा शादी का’। अक्षरा ने कहा कि अभी शुरुआती दौर है, वे खुद अभी फिगर आउट कर रही हैं। बता दें कि एक टाइम पर अक्षरा और पवन सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चित कपल थे। मगर, साल 2018 में पवन सिंह ने कथित तौर पर अक्षरा को धोखा देकर ज्योति सिंह से शादी कर ली। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप लगाए थे। फिलहाल पत्नी ज्योति सिंह के साथ भी पवन सिंह का विवाद कोर्ट में चल रहा है।

# इसी साल शुरू होगी रणवीर स्टारर ‘प्रलय’ की शूटिंग

अभिनेता रणवीर सिंह ‘धुरंधर’ और ‘धुरंधर 2’ की जबरदस्त सफलता के बाद अब दर्शकों को अपकमिंग फिल्म ‘प्रलय’ के रूप में एंटरटेनमेंट का नया डोज देने को तैयार हैं। ‘प्रलय’ की शूटिंग इस साल अगस्त से शुरू होने वाली है। हाल ही में कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि रणवीर सिंह और निर्देशक जय मेहता के बीच क्रिएटिव मतभेदों के कारण फिल्म में रुकावट आ गई है, लेकिन फिल्म से जुड़े सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। जानकारी के अनुसार, ‘प्रलय’ को लेकर फैलाई जा रही अनिश्चितता वाली खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं। सूत्र के अनुसार, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन काम पहले ही शुरू हो चुका है और रणवीर सिंह व निर्देशक जय मेहता स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में लगातार चर्चा कर रहे हैं।

# ‘वाराणसी’ की वजह से इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ‘वाराणसी’ की शूटिंग में बिजी हैं। इस वजह से उन्होंने कई प्रोग्रामों में जाना रद्द कर दिया है। खबरें हैं कि काम के चलते वह इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी। यह बात इसलिए ज्यादा ध्यान खींच रही है क्योंकि रेड कार्पेट से उनका गहरा जुड़ाव रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मेट गाला में प्रियंका दुनिया भर से आने वाले सबसे जाने-पहचाने चेहरों में से एक रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा मेट गाला 2026 में शामिल नहीं होंगी। यह इवेंट 4 मई को न्यूयॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में होने वाला है। ब्रिटिश वोग के मुताबिक जब मेट गाला का प्रोग्राम चल रहा होगा तब वह शायद अंटार्कटिका में ‘वाराणसी’ की शूटिंग कर रही होंगी। मई के पहले सोमवार को अभिनेत्री बिजी हो सकती हैं।

### खलेगी प्रियंका की गैरमौजूदगी

पिछले कुछ वर्षों में प्रियंका चोपड़ा ने मेट गाला में कई यादगार अपीयरेंस दिए हैं। अपने शानदार ट्रेंच कोट गाउन से लेकर बोल्ड काउचर लुक्स तक, वह लगातार रेड कार्पेट पर सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली सेलिब्रिटीज में से एक रही हैं। उनके अपीयरेंस अक्सर ग्लोबल पॉप कल्चर की बातचीत का हिस्सा बन जाते हैं। इस वजह से इस साल उनकी गैर-मौजूदगी महसूस की जाएगी।

### 'वाराणसी' के बारे में

आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म ‘वाराणसी’ में नजर आने वाली हैं। वह इसकी शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन होंगे। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को रिलीज हो सकती है।

# जल्द ही खाकी वर्दी में अपना ‘कर्तव्य’ निभाते नजर आएंगे सैफ अली खान

**सैफ अली खान जल्द ही खाकी वर्दी में अपना ‘कर्तव्य’ निभाते नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स की उनकी आगामी फिल्म ‘कर्तव्य’ की रिलीज डेट आज सामने आ गई है। टीजर के जारी होने के बाद से ही फैंस फिल्म का इंतजार कर रहे थे, अब आज मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है।**

शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तले बनी पुलिस-ड्रामा फिल्म ‘कर्तव्य’ नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने आज एक पोस्ट के जरिए फिल्म की रिलीज डेट घोषित की है। जिसके तहत ‘कर्तव्य’ 15 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। नेटफ्लिक्स ने फिल्म से सैफ अली खान का एक पोस्टर साझा किया। इसमें सैफ पुलिस की वर्दी में निराश नजर आ रहे हैं। उनके सामने आग जलती दिख रही है। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, ‘कर्तव्य के इस चक्रव्यूह में हर फैसला एक इम्तिहान होगा।’

### ऐसी है कहानी

‘कर्तव्य’ की कहानी एक पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो ऐसी दुनिया में अपना काम करने की कोशिश करता है जहां सही और गलत की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। जहां उसके सामने भावनात्मक और नैतिक दुविधाएं आती हैं, क्योंकि वह पेशेवर जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। जैसे-जैसे खतरे बढ़ते हैं, अधिकारी खुद को अपनी सीमाओं तक धकेला हुआ पाता है और न्याय की कीमत और चुप्पी के परिणामों पर सवाल उठाने लगता है।

फिल्म का निर्देशन ‘भक्षक’ फेम पुलकित ने किया है। फिल्म में सैफ अली खान मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा रसिका दुगल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन और मनीष चौधरी सरीखे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तहक किया गया है। इसे प्रोड्यूस गौरी खान ने किया है। ‘सेक्रेड गेम्स’ की सफलता के बाद सैफ अली खान एक बार फिर पुलिस वाले किरदार में नजर आएंगे।

A NETFLIX FILM
KARTAVYA
A RED CHILLIES ENTERTAINMENT PRODUCTION
PRODUCED BY GAURI KHAN
WRITTEN & DIRECTED BY PULKIT
ONLY ON NETFLIX | 15 MAY

# हमारा स्ट्रगल फिल्म हिट होने के बाद भी खत्म नहीं होता

**एक्टर पुलकित सम्राट इस वक्त नई सीरीज ‘ग्लोरी’ को लेकर सुर्खियों में हैं। ‘फुकरे’ जैसी हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे पुलकित ने कहा कि हिट देने के बाद भी स्ट्रगल खत्म नहीं होता और इसलिए उन्हें काम मांगने में कोई शर्म नहीं आती। उन्होंने स्ट्रगल के अलावा ‘ग्लोरी’ में रोल और उन खामियों पर बात की, जो दूर की हैं।**

’फिल्म इंडस्ट्री में स्ट्रगल के दौरान आपको लगता है कि सबसे मुश्किल काम पहला ब्रेक मिलना है, मगर मेरा यकीन मानिए उससे भी ज्यादा मुश्किल है लगातार काम मिलते रहना।’ यह कहना है एक्टर पुलकित सम्राट का। फिल्म ‘बिट्टू बॉस’ से फिल्मी करियर शुरू करने वाले पुलकित ने अपने इस सफर में सुपरहिट ‘फुकरे’ फ्रेंचाइजी से लेकर ‘डॉली की डोली’ और ‘पागलपंती’ जैसी चर्चित फिल्मों से अपनी पहचान बनाई, मगर पुलकित का कहना है कि बॉलीवुड में काम पाने के लिए लगातार मेहनत करने रहनी पड़ती है।

पुलकित की नई वेब सीरीज ‘ग्लोरी’ सपनों और महत्वाकांक्षाओं पर आधारित है। ऐसे में, एक्टर बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए की गई जद्दोजहद को याद करते हुए पुलकित बताते हैं, ‘इंडस्ट्री में हमारा कोई गॉडफादर नहीं था। हम आउटसाइडर थे और यहां अपनी जगह बनाना चाहते हैं, लेकिन जगह आप तभी बना पाएंगे, जब आपको कुछ काम मिलेगा। इसलिए, पहले तो वो काम मिलना जरूरी है। उस पर आपको लगता है कि सबसे मुश्किल चीज यह पहला काम मिलना ही है। आप सोचते हैं कि बस एक ब्रेक मिल जाए, लेकिन मेरा यकीन करिए कि आपको लगातार काम मिलते रहना सबसे मुश्किल चीज है और उसके लिए आपको मेहनत करते रहना पड़ेगा। आपको जाकर लोगों को खुद को बतौर प्रोडक्ट दिखाना पड़ेगा। वह बहुत जरूरी है।’

### काम मांगने में कोई शर्म नहीं है

’खुशकिस्मती से आज हमारे पास इतने प्लेटफॉर्म हैं कि कोई कलाकार ये बोले कि मुझे काम नहीं मिल रहा तो मेरे हिसाब से वो काम करना ही नहीं चाहता क्योंकि आज काम करने की बहुत सारी जगहें हैं। मैंने जब शुरुआत की थी, तब ऐसा नहीं था। आज बहुत सारे मंच हैं। बस आप घर से निकलिए, लोगों से बोलिए कि मुझे काम करना है। काम मांगिए और काम मांगने में कोई शर्म नहीं है, जो पहले मुझे लगता था कि मैं दिखा तो दिया। ‘फुकरे’ कर ली, फिल्म सुपरहिट हो गई, अब तो कल से लाइन लग जाएगी लेकिन कोई लाइन नहीं लगती। यह सच्चाई है। आपके लिए दरवाजे बेशक खुल जाते हैं पर उस दहलीज को पार करके अंदर जाना आपका काम है और मुझे लगता है कि सेट से ज्यादा काम सेट के बाहर रहता है।’

### मैं जैसा पहले था, उस पर गर्व नहीं

सीरीज में पुलकित अपने गुस्से पर काबू करने की कोशिश करते हैं। असल जिंदगी में उन्होंने अपनी किसी खामी पर जीत पाई है? यह पर उन्होंने बताया, ‘मुझमें बहुत खामियां थीं। एक वक्त पर मैं अपने आप का एक ऐसा वर्जन था जिस पर मुझे आज बिल्कुल गर्व नहीं है। ऐसी बहुत सी चीजें थीं जो मुझे धीरे-धीरे समझ में आई। जब मैं घर से निकला, अकेले उड़ान भरनी शुरू की, ठोकरें खाई तब मुझे समझ आई कि जीने का ये सही तरीका नहीं है। शुरू में हमें ज्यादा समझ नहीं होती है। आप कभी मजाक में किसी को ऐसी बात बोल देते हैं जो शायद उसे बुरी लगे। आज समझ में आता है कि नहीं यार, मुझे ऐसे नहीं बोलना चाहिए था या मुझे सेट पर ऐसे बर्ताव नहीं करना चाहिए था या मैं इस सिचुएशन को बिना गुस्से के भी हैंडल कर सकता था। तब जब लोग आपको बोलते भी हैं न तो भी समझ में नहीं आता है, जब तक आपके पिछवाड़े पर लात नहीं पड़ती।’

### बॉक्सिंग ने सिखाया जिंदगी का सबक

सीरीज में बॉक्सर की भूमिका के लिए की तैयारी पर वह बताते हैं, ‘इसमें मेरा किरदार एक प्रोफेशनल बॉक्सर का है, तो उसके लिए बहुत ज्यादा फिजिकल ट्रेनिंग करनी पड़ी। बॉक्सिंग को समझना पड़ा और जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तब मुझे समझ आया कि बॉक्सिंग केवल फिजिकल नहीं है, यह एक माइंड गेम भी है। यह एक शतरंज के खेल की तरह है जहां आप रिंग में अपने विरोधी का दिमाग पढ़ रहे हैं। उनकी बॉडी लैंग्वेज समझ रहे हैं और मैं कहूंगा कि बॉक्सिंग ने मुझे ये सिखाया कि उन्हीं नियमों को अपनी असल जिंदगी में भी कैसे उतार सकते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में उससे कैसे निकल सकते हैं। बॉक्सिंग ने मुझे यह सिखाया कि सिर्फ फिजिकली फिट दिखना काफी नहीं है।

## संक्षिप्त समाचार

### बांग्लादेश में सेना की वापसी, तारिक रहमान सरकार ने लिया कानून-व्यवस्था पर बड़ा फैसला

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद अब काफी शांति है। देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति अब काफी तेजी से सामान्य हो रही है। इसी बीच सरकार ने मैदानी इलाकों में तैनात जवानों को वापस बुलाने का अहम फैसला लिया है। जल्द ही सभी सेना के जवानों को वापस उनकी बैरकों में सुरक्षित भेज दिया जाएगा। यह अहम फैसला मंगलवार को गृहमंत्री की अध्यक्षता में हुई कानून-व्यवस्था संबंधी कोर कमेटी की बैठक में लिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में पूरे देश की वर्तमान स्थिति की बहुत ही गहनता से समीक्षा की गई। इसके बाद ही सेना को वापस बैरक में भेजने की इस पूरी योजना पर मुहर लगाई गई। अब इस फैसले के तहत छह जून से सेना की वापसी कई चरणों में होगी। सरकार की योजना के अनुसार सबसे पहले दूरदराज के जिलों से सैनिकों को धीरे-धीरे हटाया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से सभी डिविजनल शहरों और बड़े जिलों से सेना को पूरी तरह से हटा लिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि जून महीने के भीतर मैदान में तैनात सभी जवानों को वापस बुला लिया जाए। बांग्लादेश में जुलाई 2024 में हिंसक हालात को पूरी तरह से नियंत्रित करने के लिए सेना को तैनात किया गया था। इस दौरान पूरे देश में बहुत ज्यादा राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई थी जिससे हालात बेहद खराब हो गए थे। पुलिस बल की स्थिति भी उस समय काफी कमजोर थी इसलिए सेना ने कमान संभाली थी। देश में हुए इन बड़े राजनीतिक बदलावों और पुलिसबल की कमजोर स्थिति के कारण सेना को मोर्चे पर डटना पड़ा। जवानों को मजबूरी में काफी लंबे समय तक मैदान में अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा के साथ करनी पड़ी थी। अब हालात काबू में होने पर प्रशासन ने इस जिम्मेदारी को वापस पुलिस को सौंपने का मन बना लिया है। तारिक रहमान सरकार के इस बड़े फैसले से आम जनता में भी अब सुरक्षा को लेकर भारी विश्वास जगा है। सेना की वापसी इस बात का बहुत बड़ा और स्पष्ट संकेत है कि देश में अब सब कुछ सामान्य हो गया है। प्रशासन को पूरी उम्मीद है कि अब पुलिस भी बिना सेना के कानून-व्यवस्था संभालने में पूरी तरह से सक्षम है।

### चेम्मनी में सामूहिक कब्र से 250 कंकाल बरामद होने के बाद उठे सवाल, क्या है मौत का सच?

**कोलंबो, एजेंसी।** श्रीलंका में जाफना के पास चेम्मनी इलाके में एक कथित सामूहिक कब्र से लगातार नर कंकाल बाहर निकल रहे हैं। इस कब्रगाह की खुदाई के तीसरे चरण में अब तक 249 कंकालों को बाहर निकाला जा चुका है। एक मानवाधिकार मामलों के वकील ने इस बात की पूरी जानकारी मीडिया और अधिकारियों को विस्तार से दी है। श्रीलंका की एक अदालत ने पिछले हफ्ते चेम्मनी में इस सामूहिक कब्रगाह की खुदाई को फिर से शुरू करने का कड़ा आदेश दिया था। पैसों की भारी कमी के कारण इस कब्र की खुदाई का काम लगभग सात महीने पहले पूरी तरह से रोक दिया गया था। अब इस सख्त न्यायिक आदेश के बाद खुदाई का काम फिर से काफी तेज हो गया है। मानवाधिकार वकील रनीथा ज्ञानराजा के अनुसार मंगलवार तक इस तीसरे चरण की खुदाई में 9 और नए कंकाल बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि खुदाई के दौरान कुछ पुराने सिक्के और एक आभूषण जैसा दिखने वाला टुकड़ा भी जमीन से मिला है। इससे पहले दूसरे चरण की खुदाई भी काफी लंबे समय तक चली थी जिसमें बड़ी संख्या में मानव कंकाल बरामद हुए थे। दूसरे चरण की यह महत्वपूर्ण खुदाई 45 दिनों तक लगातार चली थी।

### 'ईरान पर हम हर स्थिति के लिए तैयार', इस्राइली पीएम नेतन्याहू बोले- ट्रंप से रोज हो रही बात

**तेल अवीव , एजेंसी।** इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि ईरान को लेकर अमेरिका की कूटनीतिक पहल से इस्राइल हैरान रह गया। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लगभग रोजाना बातचीत हो रही है और दोनों देशों के बीच हर स्तर पर पूरा समन्वय बना हुआ है। नेतन्याहू ने कहा कि हम अमेरिका में अपने सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। मैं लगभग हर दिन राष्ट्रपति ट्रंप से बात करता हूं। हमारी और उनकी टीम भी रोज बातचीत करती है। उन्होंने बताया कि देर रात ट्रंप के साथ उनकी फिर बातचीत तय है। इस्राइली प्रधानमंत्री ने कहा कि ईरान के मुद्दे पर उनका देश हर स्थिति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका का साझा लक्ष्य ईरान के संवर्धित परमाणु सामग्री कार्यक्रम को समाप्त करना है। इस्राइली अधिकारियों ने हाल के दिनों में ईरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई की संभावना का भी समर्थन किया है।

### टोंक में युवाओं की हुंकार... खैरात नहीं, अपना अधिकार चाहिए

# 'युवा संघर्ष यात्रा' से सिस्टम को खुली चुनौती

## रोजगार, बिजली, पानी, सड़क और अस्पताल जैसी मूलभूत समस्याओं को लेकर युवाओं ने छेड़ा संघर्ष

स्वर्ण खबर डेस्क

**टोंक।** वर्षों से अधूरी पड़ी बुनियादी सुविधाओं, बढ़ती बेरोजगारी और जनसमस्याओं से परेशान टोंक के युवाओं ने अब खुलकर संघर्ष का बिगुल फूंक दिया है।

'अब युवा जागेगा, टोंक बदलेगा' के नारे के साथ शुरू हुई 'युवा संघर्ष यात्रा' ने शहर की सियासत और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। युवाओं का कहना है कि अब केवल आश्वासन और चुनावी वादों से काम नहीं चलेगा, बल्कि जमीन पर परिणाम चाहिए। यात्रा के जरिए युवाओं ने रोजगार, बिजली, पानी, सड़क और अस्पताल जैसी मूलभूत समस्याओं को प्रमुख मुद्दा बनाया है। उनका आरोप है कि टोंक विधानसभा क्षेत्र में वर्षों से विकास के दावे तो किए जाते रहे, लेकिन हकीकत में आम जनता आज भी मूल सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है। बेरोजगार युवा नौकरी की तलाश में भटक रहे हैं, वहीं बिजली कटौती और पानी की समस्या लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित कर रही है। शहर और ग्रामीण इलाकों की जर्जर सड़कें भी विकास के दावों की पोल खोल रही हैं।

आंदोलन से जुड़े युवाओं ने साफ कहा कि वे किसी तरह की खैरात नहीं, बल्कि अपना अधिकार मांग रहे हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और अधिक व्यापक रूप ले सकता है। इसी क्रम में 10 मई 2026 को रात 8 बजे डिपो स्थित कटार मैरिज गार्डन में युवाओं की एक बड़ी बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में युवा संघर्ष यात्रा की रणनीति, आंदोलन की रूपरेखा और आगे के एक्शन प्लान पर चर्चा होगी।

आयोजकों का दावा है कि यह बैठक टोंक में युवा आंदोलन की नई दिशा तय करेगी।

बैठक को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजकों ने टोंक के हर युवा से एकजुट होकर आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया है। उनका कहना है कि युवाओं की एकता ही बदलाव की सबसे बड़ी ताकत बनेगी। आंदोलन से जुड़ने के लिए आयोजकों की ओर से हेल्पलाइन नंबर 9024452945 और 7726815877 भी जारी किए गए हैं। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि युवाओं की यह हुंकार आने वाले दिनों में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर कितना असर डालती है।

## पोप मुझसे खुश हों या नहीं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं रहेंगे: ट्रंप

**वाशिंगटन , एजेंसी।** ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च गुरु पोप लियो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तीखी बयानबाजी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। दरअसल युद्ध पर गहरी चिंता जताते हुए पोप लियो ने इसे पूरी मानवता पर एक कलंक बताया था और तत्काल युद्धविराम की अपील की थी, लेकिन उनके इस बयान के बाद से वह ट्रंप की नजर में चढ़ गए। ट्रंप ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि पोप तेहरान द्वारा परमाणु हथियार रखने की क्षमता का समर्थन कर रहे हैं, जबकि वॉशिंगटन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। इससे पहले मंगलवार को पोप लियो ने कहा था कि उन्होंने कभी परमाणु हथियारों का समर्थन नहीं किया और जो लोग उनकी आलोचना करते हैं उन्हें सच बोलना चाहिए। उन्होंने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति के उस टिप्पणी के जवाब में कही, जिसमें उन पर ईरान युद्ध पर अपने रुख से बहुत सारे कैथोलिकों को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया था। बुधवार (स्थानीय समय) को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब राष्ट्रपति से पूछा गया कि विदेश सचिव मार्को रुबियो पोप से कल मिलने वाले हैं। ऐसे में आप उन तक कौन सा संदेश पहुंचाने की उम्मीद रखते हैं। इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि उनका ईरान पर रुख स्पष्ट है। मैं पोप को खुश करूं या न करूं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि पोप के बयानों से प्रतीत हुआ कि वह कह रहे थे कि ईरान परमाणु हथियार रख सकते हैं और मैं कहता हूं कि वे नहीं रख सकते। ट्रंप ने कहा कि पोप की संतुष्टि या असंतोष उनके फैसले को प्रभावित नहीं करेगा। ट्रंप ने चेतावनी दी कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से वैश्विक स्थिरता को खतरा होगा। अगर ऐसा हुआ, तो पूरी दुनिया बंधक बन जाएगी, और हम इसे होने नहीं देंगे। मेरा केवल यही संदेश है। दरअसल मार्च में सेंट पीटर्स स्क्वायर में साप्ताहिक एंजेल्स प्रार्थना के दौरान पोप ने कहा था कि हम इतने लोगों के दुख के सामने खामोश नहीं रह सकते, खासकर उन बेबस लोगों के लिए, जो इन संघर्षों के शिकार हुए हैं। उनका दर्द पूरी मानवता का दर्द है। पोप लियो ने कहा कि दुनिया को सिर्फ चिंता जताने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि शांति की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। अप्रैल में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान युद्ध पर पोप की आलोचनाओं के जवाब में पोप को अपराध के मामले में कमजोर और विदेश नीति में बेहद खराब बताया था।

Commercial Space Available for Rent
Mini Mall, Bank, ATM
Finance Company
& wholesaler
Size 800 Sqr.fit
Sperate Late Bath & Kitchen
2 side Open
Address: Vivekanand Colony, Near Central Co-operative Bank, Church Road, Deoli
M: 9784401063

## अमेरिकी अदालत से भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले को बड़ी राहत; जासूसी कानून का मामला खारिज

**वाशिंगटन , एजेंसी।** भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले जे. टेलिस के खिलाफ चल रहे जासूसी कानून से जुड़े मामले में अमेरिकी अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। वर्जीनिया की एक संघीय अदालत ने तकनीकी कानूनी आधार पर यह मामला खारिज कर दिया। अदालती आदेश में कहा गया कि याचिका स्वीकार की गई और मामला बिना किसी पूर्वाग्रह के खारिज किया गया। अमेरिका के वर्जीनिया स्थित यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज माइकल एस. नाचमैनॉफ ने 16 अप्रैल को टेलिस की याचिका स्वीकार करते हुए केस को खारिज करने का आदेश दिया। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष ने गलत कानूनी प्रावधान के तहत आरोप लगाए थे।

**क्या है मामला :** टेलिस अमेरिका की विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक मामलों के जाने-माने विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन पर आरोप था कि उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गोपनीय दस्तावेज अपने निजी घर में रखे थे। अभियोजन पक्ष के मुताबिक टेलिस ने अमेरिकी विदेश विभाग और रक्षा तंत्र से जुड़े वरिष्ठ पदों पर काम करते हुए कई संवेदनशील दस्तावेज अपने पास रखे। सरकार की ओर से दायर आरोपपत्र में कहा गया था कि टेलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी 11 गोपनीय फाइलें अपने निजी निवास पर हार्ड कॉपी और डिजिटल फॉर्म में रखीं। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी उच्चस्तरीय पहुंच का फायदा उठाकर सुरक्षित सरकारी कार्यस्थलों से राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी जानकारी बाहर निकाली और उसे निजी तौर पर संग्रहीत किया। हालांकि टेलिस की कानूनी टीम ने अदालत में दलील दी कि सरकार ने जासूसी अधिनियम की गलत धारा के तहत मामला दर्ज किया। उनके वकीलों का कहना था कि जिस धारा 793(द्) के तहत उन पर आरोप लगाए गए, वह केवल उन लोगों पर लागू होता है, जिनके पास गोपनीय दस्तावेज अनधिकृत रूप से हों। जबकि सरकार खुद मान रही थी कि टेलिस के पास उच्च स्तरीय सुरक्षा मंजूरी थी और उन्हें इन दस्तावेजों तक अधिकृत पहुंच प्राप्त थी। बचाव पक्ष ने अदालत से कहा कि टेलिस को संबंधित दस्तावेज आधिकारिक रूप से सौंपे गए थे, इसलिए उन्हें अवैध कब्जा की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। वकीलों ने यह भी तर्क दिया कि सरकार ने उन पर गोपनीय जानकारी लीक करने या अपनी मंजूरी से बाहर जाकर दस्तावेज हासिल करने का आरोप भी नहीं लगाया। कानूनी टीम ने यह भी कहा कि अभियोजन पक्ष चाहे तो जासूसी कानून की दूसरी धारा 793(स्र) या धारा 1924 के तहत मामला दर्ज कर सकता था, जो सरकारी कर्मचारियों द्वारा गोपनीय दस्तावेज हटाने और रखने से संबंधित है।

## होर्मुज संकट पर सक्रिय हुआ फ्रांस, राष्ट्रपति मैक्रों ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात, स्ट्रेट को तत्काल खोलने का आग्रह

**पेरिस, एजेंसी।** ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के साथ बातचीत के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सभी पक्षों से होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी को बिना किसी देरी और बिना किसी शर्त के हटाने का आह्वान किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मैंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से बात की है। मैंने बढ़ते तनाव पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की और यूएई के नागरिक बुनियादी ढांचे व कई जहाजों पर किए गए अनुचित हमलों की निंदा की।' उन्होंने लिखा, 'सभी पक्षों को स्ट्रेट से बिना देरी और बिना किसी शर्त के हटा देना चाहिए। हमें स्थायी रूप से उस व्यवस्था को बहाल करना होगा, जिसमें संघर्ष से पहले नौवहन की पूर्ण स्वतंत्रता सुनिश्चित थी। फ्रांस और ब्रिटेन का बनाया बहुराष्ट्रीय मिशन जहाज मालिकों और बीमा कंपनियों के बीच भरोसा वापस लाने में मदद कर सकता है। यह मिशन स्वाभाविक रूप से युद्ध में शामिल पक्षों से अलग होगा। एयरक्राफ्ट कैरियर 'चार्ल्स डी गॉल' का आगे तैनात होना इस मामले में फिट बैठता है। राष्ट्रपति मैक्रों ने पोस्ट किया, 'हाल की घटनाओं से ऐसे मिशन की उपयोगिता साफ तौर पर पता चलती है। मैंने ईरानी राष्ट्रपति से इस मौके का फायदा उठाने की गुजारिश की है और मैं इस मामले पर राष्ट्रपति ट्रंप से भी बातचीत करने वाला हूं। स्ट्रेट में शांति की बहाली परमाणु कार्यक्रम, बैलिस्टिक मुद्दों और क्षेत्रीय स्थिति पर चल रही वार्ताओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। प्रतिबंध हटाने में जिन यूरोपीय देशों की महत्वपूर्ण भूमिका है, वे इसमें अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। राष्ट्रपति मैक्रों और ईरानी राष्ट्रपति के बीच यह वार्ता ऐसे समय में हुई है, जब 'एक्सियोस' की रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौते के करीब पहुंच चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, संभावित समझौते में ईरान परमाणु संवर्धन पर रोक लगाने के लिए सहमत हो सकता है, जबकि अमेरिका प्रतिबंध हटाने पर राजी हो सकता है। साथ ही दोनों पक्ष होर्मुज स्ट्रेट आवाजाही पर लगी पाबंदियां हटाएंगे। बता दें कि ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच 8 अप्रैल को युद्धविराम हुआ था। इससे पहले 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद 40 दिनों तक संघर्ष चला था। युद्धविराम के बाद ईरान और अमेरिका ने 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान में शांति वार्ता का एक दौर आयोजित किया, पिछले कुछ हफ्तों में दोनों पक्षों ने युद्ध समाप्त करने के लिए कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है।

## त्वचा गोरी करने वाले उत्पाद सेहत के लिए बेहद खतरनाक, WHO बोला- खपत रोकने के लिए बदलनी होगी सोच

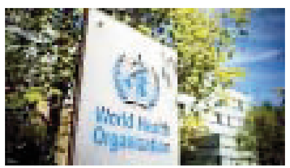

**जिनेवा, एजेंसी।** त्वचा को गोरा करने वाले उत्पादों के बढ़ते इस्तेमाल और उनसे जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को अब सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा है। संगठन ने पारा युक्त स्किन-लाइटनिंग उत्पादों के खिलाफ नया व्यवहारिक नजरिया टूलकिट जारी किया है, जिसका उद्देश्य केवल इन की बिक्री रोकना ही नहीं बल्कि लोगों में इनके प्रति बढ़ती मानसिक और सामाजिक स्वीकार्यता को चुनौती देना है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि ऐसे उत्पाद लंबे समय में दिमागी नुकसान, हार्मोन संबंधी गड़बड़ियां, गर्भस्थ शिशुओं पर असर जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दे रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार समस्या केवल अवैध या जहरीले उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक सोच से भी जुड़ी है जिसमें गोरी त्वचा को सुंदरता, सफलता और आत्मविश्वास का प्रतीक मान लिया गया है। यही कारण है कि अब वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियां केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय लोगों के व्यवहार, विज्ञापनों के प्रभाव और सामाजिक दबाव को समझकर मांग कम करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। सोशल मीडिया, फिल्म उद्योग और ब्यूटी विज्ञापनों ने इस बाजार को नई गति दी है, जहां गोरी त्वचा को आकर्षण और सफलता से जोड़कर पेश किया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बड़ी संख्या में युवा इन उत्पादों को आत्मविश्वास बढ़ाने या सामाजिक स्वीकार्यता पाने के साधन के रूप में देखने लगे हैं। यही वजह है कि चेतावनियों और प्रतिबंधों के बावजूद इनकी मांग कम नहीं हो रही। पारा का असर शरीर से लेकर पर्यावरण तक डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि कई स्किन-लाइटनिंग क्रीम और लोशन में पारा का इस्तेमाल किया जाता है। पारा एक जहरीली धातु है, जो शरीर में जमा होकर तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे याददाश्त, मानसिक विकास और दिमागी कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। गर्भवती महिलाओं के मामले में इसका असर गर्भस्थ शिशु तक पहुंच सकता है, जिससे बच्चे के विकास पर खतरा बढ़ जाता है। उनके लगातार प्रयोग से त्वचा में जल्दी झुर्रियां पड़ जाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इन उत्पादों के रसायन पानी के जरिये बाहर निकलते हैं तो मिट्टी और जल स्रोत भी प्रदूषित होते हैं। इससे पर्यावरण और जलीय जीवन पर दीर्घकालिक असर पड़ सकता है। केवल प्रतिबंध नहीं सोच बदलने पर जोर डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कई देशों ने पहले भी पारा युक्त उत्पादों पर प्रतिबंध लगाए, लेकिन केवल कानून से समस्या खत्म नहीं हुई। इसी वजह से संगठन ने नया व्यवहारिक टूलकिट तैयार किया है। इसके जरिये यह समझने की कोशिश की जाएगी कि लोग ऐसे उत्पादों तक कैसे पहुंचते हैं, कौन-सी चीजें उन्हें प्रभावित करती हैं।

## नेपाल सरकार ने भारतीय वाहनों के लिए शुरू की नई ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सेवा

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल सरकार ने भारत से सड़क मार्ग से आने वाले पर्यटकों के लिए एक बहुत ही शानदार सुविधा की शुरुआत की है। अब भारतीय वाहन आसानी से नेपाल जा सकते हैं और इस नई व्यवस्था के तहत पर्यटकों को सीमा पर घंटों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार ने कस्टम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर विदेशी पर्यटकों के वाहनों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की शुरुआत कर दी है। इस महत्वपूर्ण ऑनलाइन सेवा का उद्घाटन बुधवार 6 मई 2026 को नेपाल के वित्त मंत्री डॉ स्वर्णिम वाग्ले ने किया है। यह नई व्यवस्था पर्यटकों की यात्रा को बहुत ही आसान और सुखद बनाएगी। अब पर्यटक अपने घर बैठे ही अपने वाहनों का सारा विवरण कस्टम विभाग की वेबसाइट पर आसानी से भर सकते हैं। इसके साथ ही वे अपना टैक्स भी पूरी तरह से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। नेपाल सीमा पर जाम से मिलेगी राहत पहले भारतीय पर्यटकों को अपने वाहनों की अस्थायी अनुमति लेने के लिए कस्टम नाके पर घंटों कतार में खड़ा होना पड़ता था। इससे यात्रियों को भारी परेशानी होती थी और सीमा क्षेत्रों में हमेशा भयंकर ट्रैफिक जाम रहता था। अब इस नई ऑनलाइन प्रणाली के लागू होने से पर्यटकों को काफी बड़ी राहत मिल गई है। अगर नेपाल यात्रा के दौरान आपके परमिट की तय समय सीमा समाप्त हो जाती है तो कस्टम ऑफिस के चक्कर नहीं लगाने होंगे। नई ऑनलाइन सेवा से पर्यटक नेपाल के अंदर से ही अपने वाहन पास को आसानी से रिन्यू कर सकते हैं। वे बिना किसी बाधा के अपना सारा भुगतान भी ऑनलाइन माध्यम से कर सकते हैं। इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाने के लिए पर्यटकों को कस्टम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी जरूरी जानकारी भरनी होगी। वहां 'हमारी सेवाएं' सेक्शन के अंदर 'अस्थायी वाहन आयात' का विकल्प चुनना होगा। सारी जानकारी सही-सही भरने के बाद पर्यटकों को एक विशेष क्यूआर कोड प्राप्त हो जाएगा।

क्यूआर कोड दिखाना अनिवार्य होगा टैक्स का भुगतान ऑनलाइन या सीधे बैंक काउंटर के जरिए बहुत ही आसानी से किया जा सकता है। नेपाल में एंट्री करते वक्त और यात्रा के दौरान सुरक्षा जांच में इसी क्यूआर कोड को दिखाना पूरी तरह अनिवार्य किया गया है। यह पूरी व्यवस्था अब डिजिटल, पारदर्शी और काफी अधिक प्रभावी बन चुकी है। वर्तमान में इस सेवा का सबसे अधिक लाभ भारत और बांग्लादेश से आने वाले पर्यटकों को मिलने की पूरी उम्मीद जताई गई है। भविष्य में चीन के रास्ते आने वाले वाहनों के लिए भी यह खास सुविधा शुरू की जाएगी। यह पहल नेपाल के पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने में मदद करेगी।